चैत्र शुक्ल - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 259 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 18-04-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सत्ता में आने पर एनआरसी, सीएए को रद्द कर देंगे : ममता

6 भारत की बेमिसाल विरासत से दुनिया स्तंभित

7 'खलनायक 2' की रेस में रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, यश और अल्लू अर्जुन

फर्स्ट टेक

जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए दो संदिग्ध आतंकी

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले से बुधवार को दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। सेना ने यह जानकारी दी। श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विशिष्ट खुफिया जानकारी पर, 17 अप्रैल को अनंतनाग के नैना, बिजबेहरा में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। दो संदिग्धों को पकड़ा गया और उनके कब्जे से एक हथियार, एक हथगोला और अन्य सामग्री जब्त की गई। सेना ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

फ्लिपकार्ट, बिगबास्केट के खिलाफ चुनाव आयुक्त से शिकायत

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट तथा टाटा समूह की इकाई बिगबास्केट के खिलाफ तमिलनाडु राज्य चुनाव आयुक्त बी कोठी निर्मलसामी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई है। इन कंपनियों ने कथित तौर पर मतदान के दिन यानी 19 अप्रैल को भी राज्य में 'डिलिवरी करने वाले कर्मचारियों के जरिये सामान की डिलिवरी करने की बात कही है, जबकि उस दिन मतदान होने की वजह से सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। बुधवार को तमिलनाडु राज्य चुनाव आयुक्त बी कोठी निर्मलसामी के समक्ष दायर शिकायत में चेन्नई उच्च न्यायालय के वकील के नरसिम्हन ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा चुनाव के दिन 19 अप्रैल को छुट्टी होने की घोषणा के बावजूद, फ्लिपकार्ट और बिगबास्केट ऑर्डर की गारंटीकृत डिलिवरी का वादा कर रही हैं।

कांकेर मुठभेड़ में मारे गए 29 माओवादियों में से नौ की पहचान हुई

कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 29 नक्सलियों में से नौ की पहचान कर ली गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि मुठभेड़ के बाद मंगलवार को दो नक्सलियों की पहचान की गई थी, लेकिन आज शाम तक सात और नक्सलियों की पहचान कर ली गई है। सुंदरराज ने बताया कि मारे गए नक्सली जिनकी पहचान की गई है उनमें डिवीजनल कमेटी सदस्य शंकर राव और ललिता, उत्तर बस्तर डिवीजन की सदस्य माधवी, रमशीला और रंजीता, परतापुर एरिया कमेटी की सदस्य जुगनी, सुखलाल और श्रीकांत तथा मेढ़की एलओएस कमांडर रूपी शामिल हैं।

18-04-2024 सूर्यास्त 5:53 बजे | 19-04-2024 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
72,943.68	22,147.90
(-456.10)	(-124.60)

सोना	चांदी
7,640 रु.	90,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

झूठ बाजार

सब जनता को यह बोल रहे,
प्रतिपक्षी झूठ बोलता है।
झूठों के वचनों को सुन कर,
जन उनकी बात तौलता है।
ये भी झूठे वो भी झूठे,
फिर सच को कौन मोलता है।
झूठों के झांसे देख नित्य,
वोटर ना भेद खोलता है।।

भगवान भास्कर ने किया सूर्यवंशी राम का मस्तकाभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

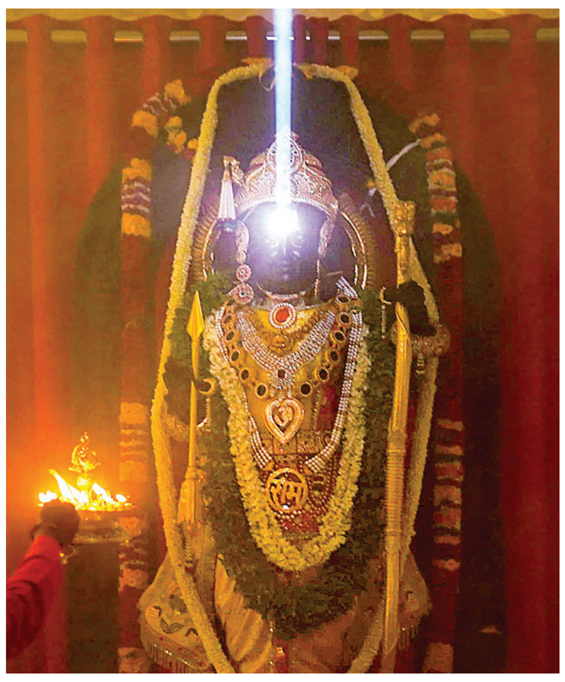

अयोध्या/एजेन्सी। लगभग पांच सदियों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि स्थल पर भव्य मंदिर में 'भए प्रगट कृपाला दीनदयाला...' की चौपाइयों के बीच सूर्य की किरणों ने विराजमान रामलला के मस्तक पर अभिषेक किया।

इस ऐतिहासिक और औलोकिक पल का गवाह मंदिर प्रांगढ़ और रामनगरी में मौजूद श्रद्धालुओं के अलावा देश दुनिया के करोड़ों रामभक्त बने। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली राम रामनवमी पर दिव्य-भव्य मंदिर में ऊपरी तल से भूतल तक दर्पण दर्पण घूमती टहलती दृश्यमान देवता दिवाकर की प्रतिनिधि किरणें आज मध्य दिवस में जैसे ही रामलला के ललाट पर सुशोभित हुईं, टकटकी लगाए हजारों हजार आंखें खुशी से छलछला उठीं। रोम रोम पुलकित हो उठा। मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं की अपरंपार भीड़ इस अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय पल को सहेजने में लगी थी। यही हाल बड़ी बड़ी एलईडी स्क्रीन और अपने घरों में टीवी के सामने बैठे लोगों का भी था। आज श्रीराम नवमी पर केवल जन्मभूमि मंदिर ही नहीं अपितु पूरी अयोध्या को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया। ऐसा हो भी क्यों नहीं, आखिर पांच सौ वर्षों के संघर्ष के बाद श्रीराम लला के अपने मूल स्थान पर विराजमान होने के बाद यह पहला जन्मोत्सव है।

पहले तय हुआ था कि मंदिर की पूर्णता के उपरांत सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक की व्यवस्था की जाय, लेकिन साधु-संतों का तर्क था कि जब श्रीराम लला विधि-विधान पूर्वक प्रतिष्ठित हो गये हैं तो सब कुछ विधिवत होना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की हरी झंडी मिलने के बाद रुड़की के सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च संस्थान का वैज्ञानिक दल सूर्य तिलक को मूर्त रूप देने में जुट गया।

यह बहुत आसान नहीं था क्योंकि पृथ्वी की गति के हिसाब से सूरज की दिशा और कोण को समन्वित करके किरणों को उपकरणों के माध्यम से ऊपरी तल से राम लला के ललाट तक पहुंचाना था। अंततोगत्वा वैज्ञानिक सफल हुए और पूर्व निर्धारित समय पर 75 मिलीमीटर टीके के रूप में सूर्य किरणें राम लला के ललाट तक पहुंची। इस दृश्य को देखकर श्रद्धालु बच्चों की तरह किलक उठे। बाल, वृद्ध, नारी सब एक ही भाव में थे। वैसे आज प्रातः मंगला आरती से ही अयोध्या में उत्सव का वातावरण था। मंगलवार से ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय समेत मंदिर व्यवस्था से जुड़े पदाधिकारी सारे काम की निगरानी कर रहे थे।

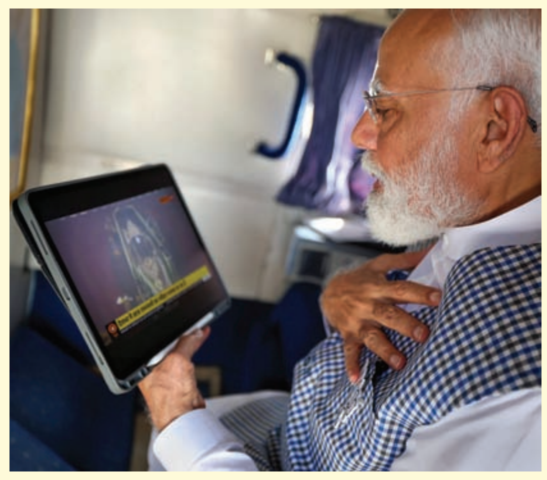

प्रधानमंत्री को उम्मीद :

भगवान राम का सूर्य तिलक देश को नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगा

नलबाड़ी (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उम्मीद जताई कि अयोध्या के मंदिर में भगवान राम का सूर्य तिलक लोगों के जीवन में ऊर्जा लाएगा और देश को नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 500 वर्ष बाद अयोध्या के मंदिर में सूर्य तिलक समारोह के साथ भगवान राम का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने रैली में कहा, पूरे देश में एक नया माहौल है। हम 500 वर्ष बाद भगवान राम का जन्मोत्सव उनके ही मंदिर में मना रहे हैं और यह सदियों की भक्ति व पीढ़ियों के बलिदान की वजह से हो पाया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। करोड़ों भारतीयों की तरह, यह मेरे लिए भावुक क्षण है। उन्होंने पोस्ट में अपनी दो तस्वीरें भी साझा कीं जिनमें वह एक टैबलेट पर समारोह को देख रहे हैं। उन्होंने कहा, श्रीराम जन्मभूमि का यह बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। यह सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा।

भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड (केरल)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि चीन और पाकिस्तान सहित अपने पड़ोसियों के साथ भारत की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता सिंह ने कांग्रेस के इस आरोप के स्पष्ट संदर्भ में यह बयान दिया कि चीन ने लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है जिसमें लद्दाख में 65 गश्त बिंदुओं में से 26 पर कब्जा किया जाना और अरुणाचल प्रदेश के 50-60 किमी अंदर गांव बनाना शामिल है।

सिंह कन्नूर लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''रक्षा मंत्री के तौर पर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारी सभी सीमाएं, चाहे वे पाकिस्तान, चीन, भूटान, नेपाल या म्यांमा के साथ हों, पूरी तरह से सुरक्षित हैं।''

अनंतनाग में आतंकियों ने बिहार के मजदूर की गोली मारकर कर दी हत्या

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में बुधवार को बिहार के एक मजदूर की आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में राजा शाह को नजदीक से गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। यह घटना अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई है जहां सात मई को तीसरे चरण में मतदान होना है।

सलमान के घर पर गोलीबारी का मामला:

एक संदिग्ध हिरासत में लिया गया

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के मामले में हरियाणा से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध का संबंध गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों में से एक से है और वे घटना से पहले तथा बाद में लगातार संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई से निर्देश लेने का संदेह है। अधिकारी ने कहा कि रविवार को यहां बांद्रा इलाके में खान के आवास पर गोलीबारी करने के आरोप में गिरफ्तार सागर पाल और विक्की गुप्ता हिरासत में लिए गए संदिग्ध को अपनी गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे थे तथा फोन इंटरनेट के माध्यम से किया गया था।

तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीट के लिए चुनाव प्रचार समाप्त, कल मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की सभी 39 सीट लोकसभा सीटों के लिए बुधवार शाम छह बजे चुनाव प्रचार थम गया। इन सभी सीटों पर लोकसभा के लिए सात चरणों में होने वाले चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। तमिलनाडु में बुधवार को चुनाव प्रचार समाप्त होने तक राज्य के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के.स्टालिन, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता ई.के.पलानीस्वामी सहित अन्य नेताओं से अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश की।

स्टालिन ने एक बार फिर 2024 के लोकसभा चुनाव को ''दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन'' बताया और दोहराया कि आम चुनाव यह तय करने के लिए है कि किसका शासन जारी नहीं रहना चाहिए बजाय इसके कि किसका सत्ता पर कब्जा होगा। द्रमुक प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अपनी 'स्वार्थ की राजनीति' के लिए देश को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वाम ने सेलम में एक रोड शो किया और 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले किए गए 'वादों को पूरा नहीं करने' के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना की। उन्होंने उदाहरण दिया कि द्रमुक ने अबतक पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं की है जिसका उसने वादा किया। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई और पार्टी नेता एल. मुरुगन ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए क्रमश: कोयंबटूर और नीलगिरी में गहन प्रचार अभियान चलाया।

पुडुचेरी सहित देश की कुल 102 सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान किया जाएगा।

यूक्रेन के चेर्निहाइव में रूसी मिसाइल हमले में 13 की मौत

कीव/एपी। रूस की तरफ से दागी गई तीन मिसाइल बुधवार को उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहाइव में आठ मंजिला इमारत पर गिरीं जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने बताया कि हमले में दो बच्चों सहित कम से कम 61 लोग घायल हो गए। चेर्निहाइव राजधानी कीव से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर में, रूस और बेलारूस की सीमा के पास स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2,50,000 है। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य साजो सामान मुहैया नहीं कराए जाने से रूस के खिलाफ युद्ध में उसकी स्थिति कमजोर पड़ती जा रही है। युद्ध के तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के साथ रूस यूक्रेन में लगातार बढ़त बना रहा है।

विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है भाजपा सरकार : मोदी

कांग्रेस ने 'लूट ईस्ट' नीति अपनाई थी, भाजपा ने उसे 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी ने 'लूट ईस्ट' नीति अपना रखी थी लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसे 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदल दिया। प्रधानमंत्री ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा ने भाजपा सरकार के शासन में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 'लूट ईस्ट' की नीति अपना रखी थी, वहीं भाजपा ने इसे 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदल दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने उत्तर पूर्व के साथ न्याय नहीं किया और क्षेत्र को 'भ्रष्टाचार का अड्डा' बना दिया, वहीं कम्युनिस्टों ने राज्य की संभावनाओं को कम कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार क्षेत्र में विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने भारत में गरीबों के लिए तीन करोड़ नए आवास बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, त्रिपुरा के लोगों को इससे बहुत फायदा मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जन्मोत्सव अयोध्या में उनके ही मंदिर में 500 साल के बाद मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 500 साल के लंबे इंतजार के बाद रामलला अंतत: तंबू की जगह एक भव्य मंदिर में विराजित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार उत्तर-पूर्व में 'कनेक्टिविटी' बढ़ाने पर ध्यान दे रही है।

किसी भारतीय के चंद्रमा पर उतरने तक जारी रहेगा इसरो का चंद्र मिशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इसरो इस साल एक मानवरहित मिशन, एक परीक्षण यान मिशन और एक 'एयरड्रॉप' परीक्षण करेगा।

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष निकाय अपनी चंद्रयान श्रृंखला तब तक जारी रखेगा जब तक देश का कोई अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर नहीं उतर जाता।

अंतरिक्ष एजेंसी के चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान ने पिछले साल अगस्त में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' की और इसके साथ ही भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला देश बन गया।

सोमनाथ ने यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, चंद्रयान-3 ने बहुत अच्छा काम किया है। आंकड़े एकत्र कर लिए गए हैं और वैज्ञानिक प्रकाशन अभी शुरू हुआ है। अब, हम चंद्रयान श्रृंखला को तब तक जारी रखना चाहते हैं जब तक कि कोई भारतीय चंद्रमा पर नहीं उतर जाता। उससे पहले हमें कई तकनीकों में विशेषज्ञता हासिल करनी होगी, जैसे वहां जाना और वापस आना। हम अगले मिशन में ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं।

वह 'एस्ट्रोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर अहमदाबाद आए थे। सोमनाथ ने देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन - गगनयान के बारे में कहा कि इसरो इस साल एक मानवरहित मिशन, एक परीक्षण यान मिशन और एक 'एयरड्रॉप' परीक्षण करेगा।

उन्होंने कहा, एयरड्रॉप परीक्षण 24 अप्रैल को होगा। अगले साल दो मानव रहित मिशन होंगे और अगर सब कुछ ठीक रहा, तो अगले साल के अंत तक मानव मिशन होगा।

जल्द ही नक्सलियों का सफाया कर देगी सरकार : शाह

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार बहुत कम समय में देश से नक्सलियों का पूरी तरह से सफाया कर देगी।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा 29 माओवादियों को मार गिराने के एक दिन बाद उन्होंने एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार आतंकवाद और नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। शाह ने कहा, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आने वाले समय में भी नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रहेंगे और मोदी के नेतृत्व में हम बहुत कम समय में अपने देश से नक्सलवाद का सफाया कर देंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि तीन महीने पहले छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद से 80 से अधिक नक्सलियों को मारा जा चुका है, 125 से अधिक को गिरफ्तार किया गया है और 150 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है।

आरबीआई ने भुगतान 'एग्रीगेटर' के लिए नियमों का मसौदा जारी किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को भुगतान 'एग्रीगेटर' के लिए नियमों को और मजबूत बनाने के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा जारी किया। इसका उद्देश्य भुगतान परिवेश को को और सुदृढ़ करना है। भुगतान एग्रीगेटर वे मध्यस्थ इकाइयां हैं, जो ग्राहकों और कारोबारियों के बीच भुगतान को सुगम बनाती हैं।

दिशानिर्देशों के मसौदे के अनुसार, भुगतान एग्रीगेटर (पीए) की भौतिक रूप से 'पॉइंट ऑफ सेल' गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। आरबीआई ने कहा कि डिजिटल लेनदेन में वृद्धि और क्षेत्र में भुगतान एग्रीगेटर की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इस मामले में मौजूदा निर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव है। साथ ही अन्य बातों के साथ-साथ केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) और कारोबारियों की उचित जांच-परख, एस्क्रो खातों में संचालन को कवर करने का भी प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य भुगतान परिवेश को मजबूत करना है। भारत में भुगतान परिवेश में ऑनलाइन 'एग्रीगेटर' और आमने-सामने भुगतान की सुविधा देने वाले भुगतान 'एग्रीगेटर' शामिल हैं। मसौदे में केवाईसी और जांच-परख के बारे में कहा गया है कि भुगतान एग्रीगेटर को कारोबारियों को जोड़ते समय निर्धारित मानदंडों के अनुसार जांच-परख व्यवस्था अपनानी चाहिए। यह अपने ग्राहक को जानें, 2016 से जुड़े मूल दिशानिर्देशों में निर्धारित ग्राहक जांच परख (सीडीडी) व्यवस्था के अनुसार होना चाहिए। आरबीआई ने मसौदे पर 31 मई, 2024 तक टिप्पणियां मांगी हैं। इसमें कहा गया है, भुगतान एग्रीगेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा शामिल किए गए बिक्री की सुविधा देने वाले मार्केटप्लेस अपने मंच के माध्यम से पेश नहीं की जाने वाली सेवाओं के लिए राशि एकत्र नहीं करें और न ही उसका निपटान करें। मसौदे के अनुसार, कार्ड का उपयोग कर आमने-सामने रहकर किए गए भुगतान लेन-देन के मामले में एक अगस्त, 2025 से कार्ड जारीकर्ताओं और/या कार्ड नेटवर्क के अलावा कार्ड लेनदेन/भुगतान श्रृंखला में कोई भी इकाई कार्ड से जुड़ी जानकारी (कार्ड ऑन फाइल) नहीं रखेंगे।

भारत का कच्चे तेल का आयात बिल 2023-24 में 16 प्रतिशत घटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में कच्चे तेल के आयात बिल में बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 16 प्रतिशत की गिरावट आई। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम में नरमी है। हालांकि, इस दौरान विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता नई ऊंचाई पर पहुंच गई।

पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) में 23.25 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया। कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर पेट्रोल और डीजल बनाया जाता है। आयात की मात्रा पिछले वित्त वर्ष के लगभग बराबर है। लेकिन वित्त वर्ष 2023-24 में आयात के लिए 132.4 अरब डॉलर का भुगतान किया, जबकि 2022-23 में यह राशि 157.5 अरब डॉलर थी। दुनिया के तीसरे सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश के घरेलू उत्पादन में गिरावट आई है। इससे उसकी आयात निर्भरता बढ़ गई है।

आधिकारिक आंकड़ों अनुसार, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता 2023-24 में बढ़कर 87.7 प्रतिशत हो गई, जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 87.4 प्रतिशत थी। घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन 2023-24 में 2.94 करोड़ टन पर लगभग अपरिवर्तित रहा। भारत ने कच्चे तेल के अलावा 4.81 करोड़ टन एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया। इसपर 23.4 अरब डॉलर खर्च हुए। साथ ही 47.4 अरब डॉलर मूल्य के 6.22 करोड़ टन उत्पादों का निर्यात भी किया गया।

तेल के अलावा, भारत तरल रूप में गैस का भी आयात करता है, जिसे एलएनजी कहा जाता है। मूल्य के स्तर पर 2022-23 के झटके के बाद, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 30.91 अरब घनमीटर गैस के आयात की लागत 13.3 अरब डॉलर रही। इसकी तुलना में 2022-23 में 26.3 अरब घनमीटर गैस के आयात पर खर्च 17.1 अरब डॉलर था। इसका कारण यह था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद ऊर्जा की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं। शुद्ध रूप से तेल और गैस आयात बिल (कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, एलएनजी आयात बिल को निर्यात से घटाने पर) 2023-24 में 121.6 अरब डॉलर रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 144.2 अरब डॉलर था। देश के कुल आयात के प्रतिशत के रूप में पेट्रोलियम आयात (मूल्य के संदर्भ में) 25.1 प्रतिशत रहा, जो 2022-23 के 28.2 प्रतिशत से कम है। इसी तरह, देश के कुल निर्यात के प्रतिशत के रूप में पेट्रोलियम निर्यात 2023-24 में 12% पर आ गया, जबकि इससे पिछले वर्ष यह 14 प्रतिशत था।

झुलसे मजदूर की मौत, कारखाना संचालक गिरफ्तार

इंदौर के पटाखा कारखाना में विस्फोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसे तीन मजदूरों में से की एक मजदूर की अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई।

इस बीच, कारखाना संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जो मंगलवार को हुए इस धमाके के बाद फरार हो गया था। चोइथराम हॉस्पिटल के उप निदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. अमित भट्ट ने ''पीटीआई-भाषा'' को बताया कि पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में गंभीर रूप से घायल रोहित परमानंद (20) घटना के बाद से सदमे में था और उसे जीवन रक्षक तंत्र पर रखा गया था। भट्ट ने बताया कि तमाम प्रयासों के बावजूद रोहित की जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने बताया कि पटाखा कारखाना विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसे दो अन्य मजदूरों-अर्जुन राठौर (27) और उमेश चौहान (29) की हालत इलाज के दौरान स्थिर बनी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) रूपेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि पटाखा कारखाने का संचालक मोहम्मद शाकिर खान धमाके के बाद से फरार था जिसे इंदौर शहर के खजराना क्षेत्र से बुधवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि खान के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के साथ ही भादंवि की धारा 308 (आपराधिक मानव वध का प्रयास) के तहत महू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गौतम अडाणी ने अंबुजा सीमेंट्स में 8,339 करोड़ रुपए का किया निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अडाणी के परिवार ने अंबुजा सीमेंट्स में अतिरिक्त 8,339 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे कंपनी में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 70.3% हो गई। इस कदम से सीमेंट कंपनी की विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि अडाणी परिवार ने इससे पहले 18 अक्टूबर 2022 को कंपनी में 5,000 करोड़ रुपए और 28 मार्च 2024 को 6,661 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इस नवीनतम निवेश के साथ उसने 20,000 करोड़ रुपए की योजना पूरी कर ली है। बयान में कहा गया, कंपनी के प्रवर्तक अडाणी परिवार ने कंपनी में 8,339 करोड़ रुपए का निवेश करके वारंट कार्यक्रम का पूर्ण अभिदान हासिल कर लिया है। कुल निवेश 20,000 करोड़ रुपए का हुआ है। नवीनतम निवेश से अडाणी परिवार की अंबुजा सीमेंट में हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़ गई है। कुल मिलाकर अंबुजा सीमेंट में इसकी हिस्सेदारी 63.2 प्रतिशत से बढ़कर अब 70.3 प्रतिशत हो गई है। अडाणी समूह ने 2022 में स्विस कंपनी होल्सिम से अंबुजा और एसीसी को खरीदने के लिए 10.5 अरब अमेरिकी डॉलर के सौदे करके सीमेंट क्षेत्र में प्रवेश किया था।

सोनार प्रणालियों के परीक्षण के लिए केरल में अत्याधुनिक केंद्र की शुरुआत

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना के लिए सोनार प्रणाली को लेकर एक अत्याधुनिक परीक्षण और अध्ययन केंद्र का उद्घाटन बुधवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष समीर वी कामत ने किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ध्वनिक विशेषता और मूल्यांकन (स्पेस) के लिए एक प्लेटफॉर्म का उद्घाटन केरल के इडुक्की में 'अंडरवाटर अकॉस्टिक रिसर्च फैसिलिटी, कुलमावु में किया गया। डीआरडीओ की नौसेना भौतिक और महासागरीय प्रयोगशाला द्वारा स्थापित 'स्पेस' को ''जहाजों, पनडुब्बियों और हेलीकॉप्टर सहित विभिन्न प्लेटफॉर्म पर नौसेना के लिए निर्धारित सोनार प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन केंद्र'' के रूप में तैयार किया गया है। बयान में कहा गया कि इसमें दो अलग-अलग ढांचे शामिल होंगे। एक प्लेटफॉर्म पानी पर तैरता है और एक अन्य प्लेटफॉर्म को विंच सिस्टम का इस्तेमाल करके 100 मीटर तक उतारा जा सकता है।

निर्वाचन आयोग को चुनावी बॉण्ड पर बात करना क्यों आपत्तिजनक लगा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' से कुछ पोस्ट हटाए जाने संबंधी निर्वाचन आयोग के आदेश को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि सरकार के 'काले कारनामे' के बारे में बताने वालों को प्रताड़ित किया जा रहा है। पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने यह सवाल भी किया कि आखिर निर्वाचन आयोग को चुनावी बॉण्ड के बारे में बात करना क्यों आपत्तिजनक लगा।

दरअसल, निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के कारण 'एक्स' को वाईएसआर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के चुनिंदा पोस्ट हटाने का मंगलवार को आदेश दिया। इस संबंधी आदेश दो अप्रैल और तीन अप्रैल को जारी किए गए थे और आयोग द्वारा 10 अप्रैल को इस संबंध में एक और ईमेल भेजा गया जिसमें उसने कहा कि 'एक्स' द्वारा इन चार पोस्ट को नहीं हटाने पर इसे ''जानबूझकर आचार संहिता के उल्लंघन'' का मामला माना जाएगा। सुप्रिया ने कहा, 'एक्स' (पूर्व का ट्वीटर) ने एक खबर साझा की जिसमें उन्हें चुनाव आयोग की तरफ से चार हैंडल के ट्वीट हटाने का निर्देश आया है। हालांकि, एक्स का कहना है- हम अभिव्यक्ति की आजादी में रुकावट नहीं डालना चाहते, लेकिन हमारे पास यह निर्देश आया, इसलिए हमें ऐसा करना पड़ा। अगर कोई व्यक्ति 'हेट स्पीच (नफरत भरा भाषण)' दे रहा है, धर्म का इस्तेमाल कर रहा या किसी व्यक्ति के खिलाफ भद्दी टिप्पणियां कर रहा है तो वह उल्लंघन होता है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में तीन शक्तिशाली आईईडी बरामद

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में बुधवार को एक आतंकी ठिकाने से तीन 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, जब्त किए गए आईईडी में प्रत्येक का भार तीन से 20 किलोग्राम (किलो) के बीच है। अधिकारियों ने इस कार्रवाई को जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव से पहले बड़ी सफलता करार दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि ये आईईडी पांच किलो, 10 किलो और 20 किलो भार वाले स्टील के डिब्बों के भीतर रखे गए थे। उन्होंने बताया कि मेंढर उपखंड के सनाई-गुरसाई वन क्षेत्र में पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राष्ट्रीय राइफल्स द्वारा चलाए गए एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक गुफा में बनाए गए आतंकी ठिकाने से बरामद किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, बम निरोधक दस्ते ने बाद में तीनों आईईडी को नष्ट कर दिया और केंद्र शासित प्रदेश में विस्फोट करने की आतंकियों की मंशा पर पानी फेर दिया।

हम जम्मू-कश्मीर की गरिमा पर जारी हमले को उजागर करेंगे : मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि प्रतिद्वंद्वी दलों पर दोषारोपण करने के खेल में संलिप्त हुए बिना वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की गरिमा और इसकी धरती व अन्य संसाधनों की पर जारी 'हमले' को उजागर करेंगी। मुफ्ती ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारा उद्देश्य दोषारोपण करने का खेल खेलना नहीं है। हम बहुत कठिन समय से गुजर रहे हैं। हमारे संसाधनों, हमारी भूमि और हमारी गरिमा पर हर दिन हमला किया जा रहा है। मुझे लगता है कि हमें इसके बारे में बात करनी चाहिए। मैं इसमें नहीं जाना चाहती कि (जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री) उमर अब्दुल्ला या किसी और ने क्या कहा है।

पीडीपी अध्यक्ष दक्षिण कश्मीर जिले में चुनाव प्रचार कर रही थीं जो अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। उनका मुकाबला नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार मियां अल्ताफ अहमद और अन्य से है।

कुलगाम के कुंड में एक रैली को संबोधित करते हुए मुफ्ती ने दोहराया कि उनकी पार्टी को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। महबूबा ने कहा, मैं मुंबई में (इंडिया गठबंधन) की बैठक में थी।

यूनिटेक के संजय चंद्रा, अजय चंद्रा की 'डिफॉल्ट' जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कई घर खरीदारों से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी से संबंधित धनशोधन मामले में यूनिटेक के पूर्व प्रवर्तकों- संजय चंद्रा और अजय चंद्रा की 'डिफॉल्ट' जमानत याचिका खारिज कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, लोक सेवक को प्रभावित करके अनुचित लाभ उठाना, लोक सेवक को रिश्वत देना आदि सहित विभिन्न अपराधों के लिए आरोपियों के खिलाफ दर्ज 60 से अधिक प्राथमिकी के आधार पर 2018 में एक मामला दर्ज किया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरज मोर ने 12 अप्रैल को पारित आदेश में कहा, यह स्पष्ट है कि आवेदकों के संबंध में जांच वैधानिक अवधि की सीमा के भीतर पूरी की गई थी और इसलिए, आवेदक सीआरपीसी की धारा 167(2) के तहत 'डिफॉल्ट' जमानत के वैधानिक अधिकार के हकदार नहीं हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच जहाज कंपनियों के लिए सरकार ने सलाह जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने के बीच सरकार ने जहाज कंपनियों को पश्चिम एशियाई जलमार्गों और भारतीय जलक्षेत्र में आने वाले जहाजों के लिए रिपोर्टिंग, ट्रैकिंग और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने के संबंध में सलाह जारी की है।

नौवहन महानिदेशालय (मुंबई) ने जहाज प्रबंधकों, जहाज मालिकों और नाविकों को व्यापारिक जहाजों और उनके चालक दल के हितों को सुरक्षित रखने के लिए समुद्री गतिविधियों की रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग के लिए तंत्र को बढ़ाने की सलाह दी है। इस संबंध में 10 अप्रैल को एक परिपत्र जारी किया गया है। पोत परिवहन मंत्रालय ने संवेदनशील क्षेत्रों को भी चिह्नित किया है। इनमें फारस की खाड़ी, होरमुज जलडमरूमध्य, ओमान की खाड़ी, अरब सागर, अदन की खाड़ी, बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य, लाल सागर, सोमाली खाड़ी और अरब सागर क्षेत्र शामिल हैं। परिपत्र के मुताबिक, किसी भी घटना की वजह से सुरक्षा बढ़ने की स्थिति में इन क्षेत्रों से गुजरने वाले सभी जहाजों को ऑनलाइन जहाज रिपोर्टिंग फॉर्म के जरिये अपना विवरण जमा करना होगा। इसमें कहा गया है, यह कदम जहाजों का एक व्यापक और नवीनतम डेटाबेस बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय नौसेना को घटना पर प्रतिक्रिया देने के लिए आसान ट्रैकिंग और समन्वय की सुविधा मिलेगी।

परिपत्र में मौजूदा सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए व्यापक तट सुरक्षा ड्रिल आयोजित करने की भी सलाह दी गई है।

परमाणु हथियारों को नष्ट करने संबंधी माकपा के चुनावी वादे पर कांग्रेस से राजनाथ ने मांगा स्पष्टीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड (केरल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के घोषणापत्र में देश में परमाणु हथियार नष्ट करने के बारे में किए गए वादे पर बुधवार को कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा। सिंह ने कहा कि भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ''देश को कमजोर करने के लिए गहरी साजिश रची जा रही है।

केरल के कासरगोड जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि माकपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में परमाणु हथियारों को नष्ट करने का वादा किया है जिस पर कांग्रेस को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए क्योंकि देश में परमाणु कार्यक्रमों की शुरुआत इंदिरा गांधी ने की थी। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया के 11 परमाणु शक्ति संपन्न देशों में से एक बनने के लिए कड़ी मेहनत की है और अपने परमाणु हथियारों को नष्ट करने से देश कमजोर हो जाएगा जबकि उसके पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन परमाणु शक्ति संपन्न हैं। दरअसल माकपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा है कि ''परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों जिनमें रासायनिक और जैविक हथियार शामिल हैं उनका पूर्ण सफाया किया जाएगा।

अपने संबोधन में भाजपा नेता ने यह भी कहा कि भारत में जिसने भी भगवान राम का विरोध किया है उसका पतन हुआ है और यही देश में कांग्रेस और माकपा के साथ हुआ। सिंह ने आरोप लगाया कि दोनों दल भगवान राम या रामनवमी के महत्व को नहीं समझते। कांग्रेस और माकपा विपक्षी गुट 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का हिस्सा हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया, उन्होंने राम नवमी पर्व मनाने में बाधा डाली। हम सबको मालूम है कि भारत में जिसने भी भगवान राम का विरोध किया है उसका पतन हुआ है और यही देश में कांग्रेस और माकपा के साथ हुआ है।

सरकार ने किसानों को विभाजित किया : राकेश टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। किसान नेता राकेश टिकैत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) में विभाजन केंद्र सरकार की वजह से हुआ था। एसकेएम ने 2020-21 किसान आंदोलन का नेतृत्व किया था। एसकेएम के बैनर तले, बड़ी संख्या में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के सीमा बिंदुओं सिंघु, टीकरी और गाजीपुर पर एक साल तक विरोध प्रदर्शन किया था। इन कृषि कानूनों को बाद में निरस्त कर दिया गया था।

टिकैत ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा, संयुक्त किसान मोर्चा एकजुट होकर दिल्ली से रवाना हुआ था, लेकिन बाद में कुछ लोग अलग हो गए। भारत सरकार एक और आंदोलन खड़ा करना चाहती थी और उन्होंने इसे खड़ा कर दिया। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता टिकैत ने कहा कि विभाजन के कारण संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) बना। एसकेएम फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित किसानों की मांगों को लेकर एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के जारी आंदोलन का हिस्सा नहीं है। यह आंदोलन 13 फरवरी को संगठनों के ''दिल्ली चलो'' मार्च के आह्वान के साथ शुरू हुआ था और तब से किसान, मुख्य रूप से पंजाब से, हरियाणा पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद शंभू सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब में सत्ता में है और शंभू सीमा पर जारी आंदोलन में ज्यादातर किसान इस राज्य से हैं। सीमा पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच पिछली झड़पों का जिक्र करते हुए, टिकैत ने कहा कि एसकेएम ने किसानों के खिलाफ बल प्रयोग की निंदा की है। उन्होंने दावा किया कि हालांकि अलग हुए समूह एसकेएम (गैर-राजनीतिक) ने एसकेएम के साथ कोई चर्चा शुरू करने की कोशिश नहीं की है। टिकैत ने कहा, दो वर्ष से हमारा प्रयास रहा है कि एसकेएम एकजुट रहे और कोई भी आह्वान एक साथ किया जाए। एसकेएम उस (दिल्ली चलो) आंदोलन का हिस्सा नहीं है। वे (एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और केएमएम) केंद्र सरकार से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसकेएम इसलिए बनाया गया था ताकि किसान एकजुट हो सकें।

महिला ट्रेन चालकों ने कामकाजी परिस्थितियों में सुधार की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिला ट्रेन चालकों ने रेलवे बोर्ड से आग्रह किया कि या तो उनकी ''दयनीय'' कामकाजी परिस्थितियों में सुधार किया जाए या उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाए।

महिला ट्रेन चालकों (लोको पायलट) के एक समूह ने हाल में रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा को एक ज्ञापन दिया, जिसमें उनकी दुर्दशा का खुलासा किया गया और ''एक बार कैडर परिवर्तन'' विकल्प की मांग की गई। ये महिला ट्रेन चालक ऑल इंडिया रेलवेमेन फेडरेशन (एआईआरएफ) की सदस्य हैं।

महिला ट्रेन चालकों ने इंजन में शौचालय सुविधाओं की कमी, मासिक धर्म के समय पैड नहीं बदल पाने, रात में किसी भी तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए इंजन से बाहर निकलने का अनिवार्य प्रावधान और देर रात की ड्यूटी के लिए आवास से लाने-पहुंचाने की सुविधा नहीं होने जैसी समस्याओं का उल्लेख किया है।

वर्तमान में, 1500 से अधिक महिलाएं देश भर के विभिन्न रेलवे जोन में लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के रूप में काम कर रही हैं और वे विभिन्न रेलवे यूनियन और फेडरेशन के माध्यम से रेलवे बोर्ड के समक्ष अपने मुद्दे उठाती रही हैं। एक महिला ट्रेन चालक ने कहा, रेलवे शौचालय सुविधाओं के साथ नए इंजन लेकर आ रहा है, लेकिन पुराने इंजन को नए इंजन से बदलने में काफी समय लगेगा। सिन्हा से मिलने वाले समूह का हिस्सा रहीं एक महिला ट्रेन चालक ने बताया कि 2018 में विभिन्न वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान रेलवे बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष को महिला ट्रेन चालकों को काम पर आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया गया था। उन्होंने कहा, चर्चा के विवरण में यह उल्लेख किया गया था कि इंजीनियरिंग, लोको पायलट और गार्ड श्रेणी में महिला कर्मचारियों को श्रेणी में बदलाव के लिए एक बार का विकल्प दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, हालांकि, उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए हम मांग करते हैं कि अगर आप दयनीय कार्य स्थितियों में सुधार नहीं कर सकते तो आप हमारी नौकरी बदल दें। ऑल इंडिया रेलवेमैन फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने महिला चालकों की मांगों का समर्थन किया। महिला ट्रेन चालकों की वाजिब दलील है कि रेलवे या तो सुविधाएं दे या नौकरी बदलने का अवसर दे। एआईआरएफ उनकी मांगों का पूरा समर्थन करता है और हम उनके मुद्दों को तब तक उठाते रहेंगे जब तक उनका समाधान नहीं हो जाता।

तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान समाप्त, कल होगा मतदान

कल 39 सीटों पर होने वाले मतदान को लेकर तैयारियां जोरों पर

पुडुचेरी की एक सीट पर भी 19 को चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में लोकसभा के लिए शुक्रवार को होने वाले एकल चरण के चुनाव के लिए प्रचार अभियान बुधवार शाम को समाप्त हो गया। उन्नीस अप्रैल को तमिलनाडु में 39 संसदीय क्षेत्रों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एकमात्र सीट के लिए मतदान होगा। लोकसभा सीटों के साथ-साथ विलावनकोड विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होगा, जो कांग्रेस विधायक एस विजयधरानी के इस्तीफे के बाद खाली हो गई थी। सुश्री विजयधरानी कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। बुधवार शाम छह बजे जैसे ही चुनाव प्रचार थमा उससे पहले उम्मीदवारों ने घर-घर जाकर मतदाताओं को लुभाने का आखिरी प्रयास किया। चुनावों में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव एलायंस (एसपीए) और अन्नाद्रमुक और अभिनेता-निर्देशक सीमान की नाम तमिझार काची (एनटीके) के अलावा भाजपा के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा।

अन्नाद्रमुक की आम परिषद की 2022 में बैठक में पार्टी के ज्यादातर सदस्यों के समर्थन से पार्टी की कमान संभालने के बाद महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के.पलानीस्वामी के एकात्मक नेतृत्व में पार्टी का यह पहला चुनाव होगा। श्री पलानीस्वामी को एक लंबी कानूनी लड़ाई के बाद और एकमात्र पार्टी नेता के रूप में चुनाव आयोग की आधिकारिक मान्यता प्राप्त हुई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री ओ.पन्नीरसेल्वम को पार्टी से बाहर कर दिया गया। इस चुनाव अभियान में राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ ज़बरदस्त हमले किए। चुनावी परिदृश्य में अपनी छाप छोड़ने के लिए मैदान में उतरी पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। चुनाव में तीन प्रमुख दावेदारों में दो द्रविड़ प्रमुखों और भाजपा के एक नेता की साख दांव पर लगी हुई है। इन चुनाव अभियानों में द्रमुक का हमला अधिक मुखर और तीखा था। उसने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अन्नाद्रमुक के खिलाफ तीखे हमले किए। दूसरी ओर, अन्नाद्रमुक शुरुआती चरण में सतर्क रहने के बाद और भाजपा के खिलाफ आलोचनाओं से बच रही थी। अन्नाद्रमुक ने लगातार चुनावों के बाद भाजपा से अपने संबंध तोड़ लिए थे। उसने अल्पसंख्यक मतदाताओं को आकर्षित करने के प्रयास में, अभियान के समापन के करीब पहुंचते ही भगवा पार्टी के खिलाफ अपनी आक्रामकता बढ़ा दी।

चुनाव अभियान में भाजपा, द्रमुक और अन्नाद्रमुक के खिलाफ मुखर रही और उन दोनों पर भ्रष्ट होने और राज्य के कल्याण के बारे में चिंतित नहीं होने का आरोप लगाए , जबकि एनटीके हमेशा की तरह अकेले चली और मैदान में तीन प्रमुख दलों की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रचार अभियान में भाजपा ने अक्सर वंशवाद की राजनीति करने और भ्रष्ट होने के अलावा अपने पारिवारिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए द्रमुक पर हमले किए।

मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने अपने बेटे और खेल विकास एवं युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि के लिए पूरे राज्य में घूम-घूम कर प्रचार किया। उदयनिधि स्टालिन अपनी हर चुनावी सभा में जहां केंद्र पर निशाना साधा, वहीं अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक के खिलाफ भी उतने ही आक्रामक और जवाबी हमले किए। उन्होंने यह कहते हुए कि चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है और सवाल यह नहीं है कि किसे सत्ता में आना चाहिए, बल्कि किसे सत्ता में नहीं आना चाहिए। श्री स्टालिन ने 'फासीवादी' भाजपा शासन को उखाड़ फेंकने और सुरक्षा के लिए इंडिया समूह के नेतृत्व में धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और संघवाद की एक नई सरकार स्थापित करने का संकल्प लिया। स्टालिन ने भाजपा की आलोचना करते हुए श्री मोदी पर राज्य के कल्याण की परवाह नहीं करने और उन पर बाढ़ राहत, चेन्नई मे परियोजनाओं के लिए करने का आरोप आरोप लगाय के शासन मे करने में विफल रह गैस की कीमतों भूमिका निभाई है। एलपीजी की कीमतें कम चुनावों को ध्यान में रखत एक धोखा है। उन्होंने र संविधान में संशोधन कर ष्ट्र, एक नेता, एक चुनाव का न पर आमादा भाजपा की सत्ता से देश की सुरक्षा और लोकतंत्र का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने बाढ़ प्रभावित चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों और हाल ही में अभूतपूर्व बारिश से तबाह हुए राज्य के दक्षिणी हिस्सों का दौरा नहीं करने के लिए श्री मोदी के खिलाफ व्यापक हमला बोला और कहा कि भाजपा ने कभी भी राहत के लिए एक पैसा भी नहीं दिया है।

द्रमुक प्रमुख ने मोदी की तमिलनाडु की लगातार यात्रा की तुलना चुनावों को ध्यान में रखते हुए अभयारण्यों में मौसमी पक्षियों की यात्रा से की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मतदाता और जनता इस बात से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने भाजपा और श्री मोदी पर अपने राजनीतिक विरोधियों, खासकर गैर-भाजपा शासित राज्यों में ईडी, सीबीआई और आईटी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों को तैनात करने और भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल राजनेताओं को फंसाकर 'वॉशिंग मशीन' की तरह काम करने का आरोप लगाया। श्री स्टालिन ने मामलों को कमजोर करने या ठंडे बस्ते में डालने पर कहा कि इस चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर भाजपा सत्ता में बरकरार रहती है और श्री मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हैं तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा।

वहीं दूसरी ओर अन्नाद्रमुक महासचिव और विपक्ष के नेता ने नीट सहित अपने 2021 के चुनावी वादों को पूरा नहीं करने के लिए द्रमुक पर हमला बोला और चेन्नई की स्थिति से अनुचित तरीके से के लिए उसकी आलोचना की। ने भी द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों ान रूप से आलोचना की और उन होने और राज्य के लोगों के के बारे में चिंतित नहीं होने और लागू विभिन्न केंद्रीय योजनाओं पर र्भर रहने का आरोप लगाया। इस चुनाव 1974 के समझौते के माध्यम से का को सौंपे गए द्वीप काचाथिवु मुख्य चुनावी मुद्दा बन गया, खासकर चुनाव प्रचार के आखिरी चरण के दौरान जब श्री मोदी ने इस मुद्दे को उठाया। द्रमुक और कांग्रेस दोनों पर आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया गया। राज्य का अधिकार, एक बात जिसे द्रमुक ने बार-बार कहा, उसने शुरू से ही इसका पुरजोर विरोध किया।

भाजपा ने अपने वादों में कहा कि वह काचाथिवु को पुनः प्राप्त करने और तमिलनाडु के मछुआरों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सभी प्रयास करेगी। मछुआरे मछली पकड़ने के दौरान जब समुद्र में सीमावर्ती इलाकों तक जाते हैं तो श्रीलंकाई नौसेना द्वारा लगातार गिरफ्तारी और हमलों का शिकार होते है। द्रमुक और भाजपा दोनों दलों के शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं ने राज्य में प्रचार किया और मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए रोड शो भी किए। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और वामपंथी पार्टी के नेता जैसे सीताराम येचुरी और डी.राजा द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के स्टार प्रचारक थे। मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा के अलावा अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर सहित कई केंद्रीय मंत्री भाजपा के प्रमुख प्रचारक थे। द्रमुक के नेतृत्व वाला मोर्चा, जो 2019 से शुरू होकर लगातार सभी पांच चुनाव जीत रहा है, लगातार पांचवें साल अपने समूह को एक साथ रखने में कामयाब रहा है, और 2019 के प्रदर्शन को दोहराने के लिए उत्सुक है। 2019 में उसने 39 में से 38 सीटें जीती थीं। तमिलनाडु की सीटों में, एकमात्र झटका दक्षिणी थेनी जिले में लगा जब अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन, जिसमें उस समय भाजपा भी शामिल थी, एक सीट जीतने में कामयाब रहा। इस बार गठबंधन के समीकरण बदल गए हैं, खासकर अन्नाद्रमुक में, जिसने भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया था और लगातार पांच हार के बाद 2019 लोकसभा चुनाव में राजग से बाहर हो गई थी। 2021 विधानसभा चुनाव, ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के लिए नागरिक निकाय चुनाव और इरोड विधानसभा सीट उपचुनाव- सभी पर द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का दबदबा है। द्रमुक ने दस साल के अंतराल के बाद 2021 में राज्य में सत्ता में वापसी की उसके अध्यक्ष एम.के.स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने।

इस चुनाव में द्रमुक मोर्चा का नेतृत्व करते हुए, 21 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है (2019 की तुलना में एक अधिक) उसके पूर्व सहयोगी आईजेके ने उसे छोड़ दिया था और भाजपा गठबंधन दलों में शामिल हो गई थी, कांग्रेस नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), सीपीआई और सीपीआई (एम) को दो-दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्य साझेदारों, राज्यसभा सांसद वाइको के नेतृत्व वाली एमडीएमके, कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को एक-एक सीट दी गई। अभिनेता-राजनेता कमल हासन की मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के सहयोगी के रूप में शामिल होने से द्रमुक मोर्चा मजबूत हुआ, लेकिन उन्होंने गठबंधन को अपनी पार्टी का पूरा समर्थन देने का वादा करते हुए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

कमल हासन के बाद एमएनएम द्वारा यह पहला गठबंधन है, जिन्होंने श्री स्टालिन के साथ घनिष्ठ संबंध साझा किया, 2018 में अपनी पार्टी की स्थापना की और पूरे समय अकेले चुनाव लड़ रहे हैं। श्री हासन ने कोयंबटूर दक्षिण से 2021 विधानसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन भाजपा उम्मीदवार वनथी श्रीनिवासन से मामूली अंतर से हार गए।

अन्नामलाई को रोकने के लिए द्रमुक, अन्नाद्रमुक कर रहे कड़ी मेहनत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम के दिग्गज मंत्री पलानीवेल थियाग राजन को जब मई 2023 में वित्त मंत्रालय से हटा कर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भेजा गया तब माना जा रहा था कि यह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा सार्वजनिक किये गये ऑडियो क्लिप का ही नतीजा है। अन्नामलाई ने इसका पूरा लाभ उठाया और आज भी वह सत्तारूढ़ द्रमुक एवं विपक्षी अन्नाद्रमुक को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कोयंबटूर से भाजपा उम्मीदवार अन्नामलाई द्रमुक और अन्नाद्रमुक को लगातार चुनौती दे रहे हैं तथा कच्चातीवु द्वीप विवाद के बाद कांग्रेस पार्टी भी उनके निशाने पर आ गई है।

अन्नाद्रमुक नेताओँ ने अन्नामलाई पर आरोप लगाया है कि उन्होंने द्रविड़ आदर्श माने जाने वाले सीएन अन्नादुराई और दिवंगत पार्टी सुप्रीमो जे जयललिता के बारे में भला बुरा कहा था और यही वजह है कि पार्टी ने पिछले साल भाजपा से नाता तोड़ा था। तमिलनाडु की राजनीति में चाहे ऑडियो क्लिप प्रकरण हो या अन्नाद्रमुक का भाजपा से नाता तोड़ना, अन्नामलाई किसी न किसी तरह से चर्चा का केंद्र बने रहे। तमिलनाडु की कोयंबटूर सीट के चुनाव पर सब की निगाहें टिकी हैं।

थियागाराजन ने भाजपा के इस आरोप को खारिज कर दिया था कि ऑडियो क्लिप में उनकी आवाज है। राजन को दूसरे मंत्रालय में स्थानांतरित करने के लगभग एक साल बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस संबंध में कहा कि यह कदम भाजपा के आरोपों पर नहीं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में सुधार करने के लिए गया था। तमिलनाडु की राजनीति में अपना दबदबा साबित करने के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक ने कोयंबटूर सीट सहयोगियों को नहीं दी बल्कि यहां से अपनी पार्टी के पूर्व महापौर पी गणपति राजकुमार को उम्मीदवार बनाया है। पिछले लोकसभा चुनाव में यह सीट द्रमुक की सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के उम्मीदवार ने जीती थी। द्रमुक ने इस चुनाव में अपनी कई कल्याणकारी योजनाओं पर दांव लगाया है जिसमें बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शामिल है। अन्नाद्रमुक ने सबसे कम उम्र के उम्मीदवार सिंगाई जी रामचंद्रन (36) को कोयंबटूर सीट से उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने और अन्नामलाई ने आईआईएम से स्नातक किया है। द्रमुक के 58 वर्षीय उम्मीदवार राजकुमार ने पत्रकारिता में पीएचडी की है। चुनाव से पहले अन्नाद्रमुक प्रमुख और विपक्ष के नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने कहा है कि यह लड़ाई केवल उनकी पार्टी और द्रमुक के बीच है। लेकिन भाजपा अच्छी तरह से जड़ें जमा चुकी द्रविड़ पार्टियों को टक्कर देने के लिए कड़ी मेहनत और उत्साह से काम कर रही है।

भाजपा कार्यकर्ता विजयी होने के लिए अन्नामलाई की लोकप्रियता पर निर्भर हैं। उन्होंने तमिलनाडु की जनता को 500 दिनों में 100 वादे पूरा करने का आश्वासन दिया है, जिसमें नदियों की सफाई, एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और पूर्व मुख्यमंत्री के कामराज के नाम पर खाद्य वैन की सुविधा देना शामिल है। परंपरागत रूप से तो कोयंबटूर अन्नाद्रमुक का गढ़ रहा है लेकिन वामपंथी संगठनों और उनसे संबद्ध ट्रेड यूनियनों का यहां श्रमिकों के एक वर्ग पर अच्छा प्रभाव है। कई क्षेत्रों में भाजपा का भी प्रभाव है। यहां हिंदू संगठनों की तुलनात्मक रूप से अच्छी उपस्थिति है। तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा।

द्रमुक और भाजपा तमिलनाडु में विकास लाने में विफल रही : पलानीस्वामी

चेन्नई। एआईएडीएमके के महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने बुधवार को डीएमके और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दोनों दल जनता से किए वादे को पूरा करने में विफल साबित हुई है। सेलम के नेदुंचलाई नगर में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दोनों ही पार्टियों की आलोचना की और लोगों पर बोझ डालने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने प्रदेश की जनता से एक या दो नहीं, बल्कि 520 वादे किए थे, लेकिन पार्टी प्रदेश की जनता से एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई। उन्होंने आरोप लगाया कि एमके स्टालिन तमिलनाडु की जनता से चुनाव प्रचार के दौरान स्पष्ट रूप से झूठ बोल रहे हैं। सीएम स्टालिन का दावा कि उन्होंने 98 फीसद वादे को पूरा कर दिया है, वह पूरी तरह से झूठ है। उन्होंने कहा कि जनता चिंतित है कि मौजूदा सरकार की अगुवाई में तमिलनाडु ड्रग हब बन चुका है। ड्रग माफियाओं पर मौजूदा सरकार अंकुश लगाने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है।

पलानी स्वामी ने कहा कि नदियों के बंटवारे से आवश्यक वस्तुओं की कीमत में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। इसके अलावा, इससे नौकरियों के अवसर में भी कटौती, बिजली दरों में बढ़ोतरी और संपत्ति की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि जब 2014 में भाजपा केंद्र में सत्ता में आई तो पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 74 रुपए और 55 रुपए प्रति लीटर थी, जबकि कच्चे तेल की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल थी। उन्होंने कहा कि अब कच्चे तेल की कीमत 86 डॉलर प्रति बैरल है जबकि पेट्रोल और डीजल 102 रुपए और 94 रुपए प्रति लीटर बेचा जा रहा है।

तमिलनाडु में शराब की दुकानें आज से तीन दिन तक रहेंगी बंद

चेन्नई। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) की दुकानें बुधवार से 19 अप्रैल तक बंद रहेंगी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तमिलनाडु में सभी शराब की दुकानों को तीन दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया है। राज्य में 19 अप्रैल को मतदान है।

तमिलनाडु में आज से शुक्रवार तक बार और अन्य स्पिरिट आउटलेट भी बंद रहेंगे। ईसीआई के निर्देश के अनुसार, टीएएसएमएसी शराब की दुकानें, बार और अन्य शराब की दुकानें चुनाव परिणाम की तारीख 4 जून को भी बंद रहेंगी। तमिलनाडु में लोकसभा के लिए एक ही चरण में मतदान हो रहा है और चुनाव प्रचार और अन्य सार्वजनिक गतिविधियां आज शाम 6 बजे समाप्त हो जाएंगी।

दुर्घटना के मामलों में रक्त में अल्कोहल के स्तर का पता लगाए राज्य सरकार : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि वह सभी अस्पतालों को दुर्घटनाओं में मृतकों/घायलों के रक्त में अल्कोहल के स्तर का आकलन करने को कहे, ताकि ऐसे मामलों में दावेदार के खिलाफ लापरवाही का निर्धारण किया जा सके। न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश ने हाल ही में एक दावेदार को 1.53 लाख रुपये का मुआवजा देने के आदेश को बदलते हुए मुआवजा राशि बढ़ाकर 3.53 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि उसके हिसाब से शराब पीना कोई अपराध नहीं है। इसने कहा, वास्तव में, राज्य खुद से संचालित आईएमएफएल की दुकानों के माध्यम से नागरिकों को शराब का एकमात्र प्रदाता है। इसके मद्देनजर यह एकमात्र राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह शराब की खपत से होने वाले परिणामों का भी ध्यान रखे। अदालत ने तमिलनाडु सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रधान सचिव को रक्त में अल्कोहल के स्तर का आकलन करने के संबंध में सभी अस्पतालों को एक परिपत्र जारी करने का निर्देश दिया।

न्यायाधीश ने कहा, इस प्रक्रिया को अनिवार्य बनाया जाएगा, क्योंकि ऐसे मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहां चालक शराब पीकर वाहन चलाते हैं। हालांकि राज्य सरकार औचक निरीक्षण करने के लिए कदम उठा रही है, लेकिन यह समस्या इतने से ही ठीक नहीं होगी, बल्कि कम से कम ऐसे मामलों में जहां दुर्घटनाएं होती हैं, रक्त में अल्कोहल के स्तर का आकलन करना अनिवार्य बनाना होगा। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, पेरम्बलूर ने 2022 में दावेदार रमेश को 3.07 लाख रुपये के मुआवजे का आदेश दिया था, लेकिन न्यायाधिकरण ने उनके खिलाफ 50 प्रतिशत लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे से आनुपातिक राशि काट ली। इससे व्यथित होकर, दावेदार ने वर्तमान याचिका दायर की थी। न्यायाधीश ने कहा कि दुर्घटना रजिस्टर और डॉक्टर के साक्ष्य में यह उल्लेख किया गया था कि दावेदार से शराब की गंध आ रही थी। न्यायाधिकरण ने यह भी माना कि शराब के प्रभाव के कारण और लॉरी से सुरक्षित दूरी नहीं रख पाने के कारण दोपहिया वाहन की उसके पिछले हिस्से से टक्कर हो गई थी।

तमिलनाडु की तुतुक्कुडी सीट पर दिलचस्प मुकाबला

कनिमोई के लिए मुश्किल नहीं जीत की डगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुतुक्कुडी। तमिलनाडु की तुतुक्कुडी लोकसभा सीट पर इस बार चुनाव में सभी की निगाहें टिकी हैं, जहां एक चिकित्सक, एक हड्डी एवं जोड़ उपचार केंद्र के प्रबंध निदेशक और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की मौजूदा सांसद व उम्मीदवार ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। तांबा गलाने वाले संयंत्र को लेकर पर्यावरण संबंधी चिंताएं और श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा मछुआरों की गिरफ्तारी भी इस निर्वाचन क्षेत्र के कई मुद्दों में शुमार हैं। इस बार भी जीत की आस लगा रहीं द्रमुक की उप महासचिव कनिमोई भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ जनाक्रोश पैदा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, तो वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों ने द्रमुक पर दिसंबर 2023 में विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित सभी परिवारों तक नहीं पहुंचने का आरोप लगाया है। लोगों के एक वर्ग को भी लगता है कि जब वे असहाय थे तो उन्हें राज्य सरकार से कोई सहायता नहीं मिली।

तूतीकोरिन या पर्ल सिटी के नाम से भी चर्चित तुतुक्कुड़ी की दिहाड़ी मजदूर पकियाम्मा कहती हैं, बाढ़ में अपना घर और आजीविका खोने के बाद मुझे सरकार से कोई मदद नहीं मिली। इसलिए, मैं द्रमुक को वोट देने से पहले दो बार सोच सकती हूं। राज्य में आई विनाशकारी बाढ़ ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया था और कृषि एवं उद्योगों को प्रभावित किया था।

विभिन्न इलाकों में कई दिन तक बिजली आपूर्ति तक बहाल नहीं हो सकी थी। नाम तमिलर काची (एनटीके) के केंद्रीय जिला सचिव वेलराज ने इस संवाददाता को बताया, यदि नालों और बरसाती नालों से जल निकासी की समुचित व्यवस्था होती तो तुतुकुडी निगम क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित नहीं होते। अपनी पार्टी की उम्मीदवार रोवेना रूथ जेन के लिए प्रचार कर रहे वेलराज ने इस मुद्दे से निपटने में विफल रहने के लिए राज्य में बारी-बारी से शासन करने वाली दोनों द्रविड़ पार्टियों द्रमुक और अन्नाद्रमुक को दोषी ठहराया।

पेशे से चिकित्सक जेन ने निर्वाचन क्षेत्र में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है। चेन्नई में पुत्तूर हड्डी एवं जोड़ फ्रैक्चर उपचार केंद्र के महाप्रबंधक व अन्नाद्रमुक उम्मीदवार के आर. शिवसामी वेलुमणि और भाजपा का समर्थन प्राप्त तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार एसडीआर विजयसीलन भी मैदान में हैं। कनिमोई ने 19 अप्रैल के आम चुनाव की दूसरे स्वतंत्रता संग्राम से तुलना करते हुए लोगों से तानाशाही सरकार को सत्ता में आने से रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा, बहुत गर्मी होने की वजह से घर से बाहर न निकलने के बारे में मत सोचिए। अपना लोकतांत्रिक कर्तव्य निभाएं और देश को बचाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता में वापस नहीं आने चाहिए। लेकिन अगर आप घर पर रहेंगे तो दुर्घटना हो जाएगी। अगर ऐसा होता है, तो यह हमारा आखिरी चुनाव होगा। इसके बाद तानाशाही सरकार ही रहेगी।

उन्होंने कहा, इसलिए ध्यान रखें, कि यह चुनाव हमारा दूसरा स्वतंत्रता संग्राम है और उसी के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। साथ ही, सुनिश्चित करें कि अन्य राज्यों के लोग भी भाजपा के खिलाफ वोट करें। कनिमोई ने 2019 में अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ा और अपनी प्रतिद्वंद्वी तथा भाजपा उम्मीदवार डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन को हराया था, जो राज्यपाल का पद छोड़ने के बाद अब चेन्नई दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं। कनिमोई के लिए चुनाव में जीत कोई खास मुश्किल नहीं दिखाई दे रही है क्योंकि अन्नाद्रमुक, टीएमसी और एनटीके के उम्मीदवार मजबूत दावेदार नहीं हैं। अतीत में इस सीट से अन्नाद्रमुक और द्रमुक के नेता चुनकर सांसद बन चुके हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में छह विधानसभा क्षेत्र विलाथिकुलम, तुतुकुड़ी, तिरुचेंदूर, श्रीवैकुंटम, ओट्टापिडारम और कोविलपट्टी शामिल हैं। द्रमुक और सहयोगियों ने 2021 के विधानसभा चुनावों में छह में से पांच निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की थी, जबकि अन्नाद्रमुक को सिर्फ कोविलपट्टी सीट पर ही जीत मिली थी।

सेंथिल बालाजी की हिरासत अवधि 22 तक बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की एक अदालत ने बुधवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की हिरासत अवधि 22 अप्रैल तक बढ़ा दी।

बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अली ने बालाजी की न्यायिक हिरासत बढ़ाये जाने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष ने बालाजी को यहां केंद्रीय पुझल जेल से वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया था। न्यायाधीश ने बालाजी द्वारा दायर एक याचिका को स्वीकार करते हुए जेल अधिकारियों को उन्हें सोमवार को अदालत के सामने पेश करने का निर्देश दिया। बालाजी ने मुकदमे में उनकी मुक्ति याचिका पर उनके पक्ष की दलीलें फिर से शुरू करने की मांग की थी। बालाजी के पक्ष की दलीलें 22 मार्च को समाप्त हुई थीं।

ईडी ने रुपये के बदले नौकरी के घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में पिछले वर्ष जून में बालाजी को गिरफ्तार किया था। बालाजी पूर्ववर्ती अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकार में परिवहन मंत्री थे।

तमिलनाडु के विधायक और पूर्व अन्नाद्रमुक मंत्री जयारमन अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक नेता और दिवंगत जे. जयललिता सरकार में मंत्री रहे पोलाची वी. जयरामन (71) को बुधवार को बेहोश होने के बाद कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया।

पोलाची विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक जयरामन का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने आईएएनएस को बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, हालांकि वह कुछ और दिनों तक अस्पताल में उपचाराधीन रहेंगे।

एआईएडीएमके नेताओं के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से जयरामन कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे थे। वह अन्नाद्रमुक नेता के. पलानीस्वामी के करीबी सहयोगी हैं और पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम को पार्टी से निकालने में सबसे आगे थे।

पहले चरण के मतदान के लिए प्रचार थमा, मतदान कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 12 लोकसभा सीट पर होने वाले मतदान के लिए प्रचार अभियान का शोर बुधवार शाम छह बजे थम गया। इन सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होगा और नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में मतदान के अंतिम 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार गतिविधियां बुधवार शाम छह बजे से थम गईं। राज्य की जिन 12 लोकसभा सीट पर पहले चरण में मतदान होना है उनमें से सीकर, चुरू एवं नागौर की सीट भी है जहां मुकाबला कड़ा माना जा रहा है।

कांग्रेस ने सीकर सीट गठबंधन सहयोगी माकपा के लिए छोड़ी है। इस सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद सुमेधानंद सरस्वती उम्मीदवार हैं तो माकपा की ओर से पूर्व विधायक अमराराम मैदान में हैं। सीकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का गृहनगर है। सीकर लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभा सीट में से पांच कांग्रेस के पास हैं जबकि तीन पर भाजपा के विधायक हैं। अमराराम दांतारामगढ़ और धोद से विधायक रह चुके हैं। फलस्वरूप सीकर भाजपा के लिए कड़ी चुनौती वाली सीट बन गई है।

इसी तरह चूरू लोकसभा सीट से कांग्रेस ने मौजूदा सांसद राहुल कस्वां को मैदान में उतारा है। भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद राहुल कस्वां को टिकट देने से इनकार कर दिया। दो बार के राहुल सांसद कस्वां पैरालंपिक पदक विजेता भाजपा के देवेंद्र झाझड़िया के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। चूरू पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का गृहनगर है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि राठौड़ के कारण ही राहुल कस्वां को टिकट नहीं मिला। राहुल कस्वां उन मौजूदा सांसदों में से हैं जो भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। राज्य की नागौर लोकसभा सीट पर जाट समाज के ही दो नेता आमने-सामने हैं। कांग्रेस के साथ गठबंधन के तहत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक हनुमान बेनीवाल भाजपा की ज्योति मिर्धा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। बेनीवाल का मुकाबला एक बार फिर ज्योति मिर्धा से होगा। ज्योति मिर्धा ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में लड़ा था और बेनीवाल से हार गईं।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में बेनीवाल ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया है और ज्योति मिर्धा भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। ज्योति मिर्धा 2023 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार और अपने चाचा हरेंद्र मिर्धा से हार गई थीं। कांग्रेस ने अपना चुनाव अभियान मुख्य रूप से दो मुख्य मुद्दों- महंगाई एवं बेरोजगारी तथा अपने चुनाव घोषणा पत्र 'न्याय पत्र' पर केंद्रित किया। पार्टी ने इस घोषणा पत्र में 30 लाख रिक्त सरकारी पद भरने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी का वादा किया है। भाजपा ने तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर कांग्रेस पर हमला बोला। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र और प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को लेकर भी प्रचार किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य नेताओं ने कई चुनावी सभाएं कीं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के चुनाव अभियान का नेतृत्व किया और कई रैलियां कीं। उन्होंने दौसा में रोड शो भी किया। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित ने जयपुर और कांग्रेस की प्रियंका गांधी ने अलवर में रोड शो किया। इसी तरह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के पक्ष में कई जगह सभाएं कीं।

राजस्थान में कुल 25 लोकसभा सीट हैं। साल 2014 और 2019 के दो आम चुनाव में ये सभी सीट भाजपा ने जीतीं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव के लिए प्रकाशित मतदाता सूचियों के अनुसार, सामान्य मतदाता 2,53,15,541 हैं, जिनमें 1,32,89,538 पुरुष, 1,20,25,699 महिलाएं एवं 304 तृतीय लिंगी हैं। उन्होंने बताया कि इस चुनाव में 18 से 19 वर्ष की उम्र के 7,98,520 नये मतदाता लोकसभा चुनाव में पहली बार मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। निर्वाचन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार शाम छह बजे चुनाव प्रचार थम गया। शुक्रवार को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। पहले चरण में गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझूनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर लोकसभा सीट पर मतदान होगा। राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो चरणों में 19 और 26 अप्रैल को होंगे। दूसरे चरण में 13 सीट-- टोंक, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़ पर 26 अप्रैल को मतदान होगा।

दीया कुमारी ने बाड़ी में किया रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को धौलपुर-करौली लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी इंदु देवी जाटव के समर्थन में बाड़ी में रोड शो किया जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। रोड शो में श्रीमती दीया कुमारी का भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं तथा लोगों ने पुष्प वर्षा करके जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा रोड शो में भारी संख्या में पधारी देवतुल्य जनता का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। रोड शो में उमड़े जनसमूह से राजस्थान की सभी 25 सीटों पर कमल का फूल खिलना तय है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा अपने संकल्प 'अन्त्योदय' की ओर अग्रसर है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, रोहिणी कुमारी, सुखराम कोली एवं रानी कोली सहित अन्य पार्टी नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

भजनलाल शर्मा ने सरदार शहर में रामनवमी शोभायात्रा में की शिरकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चुरू जिले के सरदारशहर में भव्य रामनवमी शोभायात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर शर्मा ने भव्य झांकियों के दर्शन किए और केसरिया पहने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर रामनवमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने जय राम के नारे लगाकर भगवा रैली में शामिल हजारों श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 500 साल बाद यह पहली रामनवमी आई है, जब रामलला अयोध्या में भव्य एवं दिव्य राममंदिर में विराजमान हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस बार भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश की सभी 25 सीटें भारी मतों से जीतेगी और नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। शोभायात्रा में चुरू लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अशोक पींचा सहित गणमान्य एवं प्रबुद्धजन मौजूद थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने जयपुर स्थित निजी आवास पर चैत्र नवरात्रि के नवम दिवस महानवमी के शुभ अवसर पर कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि मां भगवती के नवरूपों की आराधना का यह पर्व नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है। उन्होंने शक्ति स्वरूपा जगदम्बा का आशीर्वाद प्रदेश के सभी परिवारजनों पर बने रहने की कामना की।

मतदाताओं को मतदान के लिये लंबी लाइन में नहीं करना होगा इंतजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव के तहत 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के दौरान जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी आठ विधानसभा एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को घर बैठे मतदान केंद्र पर कतार में मौजूद मतदाताओं की संख्या की जानकारी मिल सकेगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार गुप्ता के निर्देशों की अनुपालना में जिला निर्वाचन कार्यालय, जयपुर द्वारा मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या की सही और सटीक जानकारी मतदाताओं को घर बैठे मुहैया करवाने के लिये विकसित वोटक्यू ट्रैकर एप को और भी अधिक सुगम्य एवं आमजन के प्रयोग के लिये आसान बनाया गया है। मतदाता अब अपने घर बैठे ही जान सकते हैं। मतदाता अपने बूथ पर मतदाताओं की संख्या अपने मोबाइल पर पता कर सकेंगे। वोटक्यू ट्रैकर एप के माध्यम से मतदाता घर बैठे अपने मतदान केंद्र पर मतदाताओं की कतार का आकलन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय जयपुर ने जयपुर लोकसभा क्षेत्र में समाहित हवामहल, किशनपोल, आदर्श नगर, मालवीय नगर, सिविल लाइन्स, सांगानेर, बगरू, विद्याधर नगर सहित कुल आठ विधानसभा क्षेत्र एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में समाहित झोटवाड़ा विधानसभा के मतदाताओं की सुविधा के लिए वोटक्यू ट्रैकर मोबाइल एप सरीखे इस नवाचार की शुरुआत की है।

आगामी लोकसभा चुनाव में अब इन नौ विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता अपने मोबाइल पर अपने बूथ पर कतार में लगे मतदाताओं की संख्या की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वोटक्यू ट्रैकर एप पर बीएलओ के द्वारा प्रति आधे घंटे के अंतराल से बूथ पर कुल वोटर्स की संख्या अपडेट की जायेगी। इस जानकारी से आमजन अपनी सुविधा के अनुसार बूथ पर जा कर मतदान करने जा सकेंगे।

कांग्रेस अपनी परंपरागत रायबरेली, अमेठी सीट से अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं कर पायी : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव ने कहा है कि जो लोग भारत को बदलने की बात कहते हैं, वे अपनी परंपरागत रायबरेली और अमेठी की सीट पर प्रत्याशी भी घोषित नहीं कर पाये और दोनों सीटों की जनता को गांधी परिवार ने छोड़ दीया। यादव ने बुधवार को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड में चुनाव लड़ने गये कि वहां 50 फीसदी मुस्लिम हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि जहां से वह चुनाव लड़ रहे हैं, वहां के लोग गांधी की भाषा नहीं जानते और गांधी उनकी भाषा नहीं जानते, इसलिये वह ऐसी परिस्थिति में सुरक्षित सीट मानते हुये वायनाड गये हैं। उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि जो सच्चाई के मार्ग पर नहीं चलता है उसके रथ के पहिये भी रुक जाते हैं, और यही हाल अलवर में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के रोड शो में हुआ। उनके रोड शो में पहिये ही रुक गये, जिस रूट का रोड शो था, वह पूरा ही नहीं हुआ। उन्होंने आम लोगों से सवाल किया कि कांग्रेस कहती है कि यादव ने अलवर में क्या काम किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग झूठ बोलते हैं, भरतरी बाबा उनके रथ के पहिये को भी रोक देती है। भगवान राम के मंदिर का जिक्र करते हुये उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस के नेता ही हैं, जो भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं और उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दाखिल करते हैं कि राम थे ही नहीं। उन्होंने कहा कि अब सब कुछ साफ हो गया है और भगवान राम को लाने वालों को देश की जनता ने सिर आंखों पर बैठा दीया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो 400 पार का नारा दीया है, इसका मतलब यह है की जितनी ज्यादा सीट होंगी, उतनी ज्यादा सेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है की इनकी 400 सीट अगर मिलीं तो यह संविधान बदल देंगे। उन्होंने 400 सीटों का जिक्र करते हुये कहा कि केरल, तेलंगाना, आंध्र सहित दक्षिण राज्यों में जब पार्टी का विस्तार होगा और वहां से सांसद जीतेंगे तो सीट बढ़ेगी या घटेंगी। संविधान बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 था, तब वहां दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण नहीं था।

कांग्रेस का वचन पत्र लॉन्च, वैभव गहलोत बोले, यह अगले 5 साल में जालोर की तस्वीर और तकदीर बदल देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीवाड़ा (जालोर)। जालोर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने बुधवार को अपना वचन पत्र जारी कर दिया। वचन पत्र में रोजगार मेलों के जरिए 10 हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को नौकरियां देने का वादा वैभव ने किया। उन्होंने युवाओं के लिए अगले पांच साल में 100 स्टार्टअप्स खुलवाने की भी बात कहीं। वैभव ने जालोर से जयपुर, दिल्ली, हैदराबाद, कोयम्बटूर, चैन्नई, बैंगलूरु के लिए नियमित यात्री रेलगाड़ियां चलवाने, सिरोही-जालोर मार्ग को फोरलेन करा नेशनल हाइवे घोषित कराने, आबूरोड हवाई पटटी को एयरपोर्ट बनाकर वहां से नियमित उड़ानें शुरू कराने का वादा किया। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र की जनता को जवाई बांध के पानी से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और माही-व्यास का पानी भी जालोर-सिरोही तक लाने के प्रयास किए जाएंगे। रानीवाड़ा के कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह वचन पत्र जालोर, सांचौर और सिरोही जिलों की तरक्की का रास्ता खोलता है। इस मैनिफेस्टो में जालोर के सभी आयु व वर्गों का ध्यान रखा गया है। मैनिफेस्टो के रोडमैप को आमजन से विचार-विमर्श कर इस तरह बनाया गया है कि यह लोकसभा क्षेत्र की जनता की सभी बुनियादी जरूरतों और तरक्की की संभावनाओं को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि मैनिफेस्टो का रोडमैप आने वाले पांच साल में तीनों जिलों की तस्वीर बदल देगा, तकदीर बदल देगा।

पत्रकारों से संवाद में वैभव ने कहा कि आप अच्छी तरह जानते हैं कि जालोर लोकसभा क्षेत्र पिछले 20 वर्षों से तरक्की की बाट जोह रहा है। यहां लगातार भाजपा सांसद रहे, देवजी पटेल तो लगातार 15 वर्षों तक यहां के सांसद रहे, लेकिन जालोर, सिरोही जिलों को तो छोड़ो, सांचौर क्षेत्र का भी विकास वे ढंग से नहीं करा पाए। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे मारवाड़ी भाई-बंधु पेयजल, सिंचाई जल, बुनियादी विकास, रोजगार, पलायन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। जालोर लोकसभा क्षेत्र में प्रवासी बंधुओं के लिए न ट्रेन कनेक्टिविटी है न ही एयर कनेक्टिविटी। आने-जाने के लिए जोधपुर या अहमदाबाद जाना पड़ता है। ग्रेनाइट, पर्यटन, जीरा, सौंफ के उद्योग यहां की पहचान हैं, लेकिन इन उद्योगों के विकास के लिए भाजपा ने कुछ नहीं किया। युवाओं, महिलाओं के विषयों को भी भाजपा सांसदों ने दरकिनार किया है। कहने को डबल इंजन की सरकार है, लेकिन वह विकास के लिए नहीं केवल राजनीति करने के लिए है।

राजस्थान सरकार ने अस्पतालों में सुविधाओं के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

जयपुर। राजस्थान सरकार ने अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं ताकि मरीजों को कोई परेशानी नहीं हो। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके तहत मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों एवं अधीक्षकों को मानक 'प्रोटोकॉल' का पालन करने को कहा गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध अस्पतालों में मानक 'प्रोटोकॉल' का पालन नहीं होने के कारण विगत दिनों मरीजों को हुई असुविधा के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, सरकार ने हिदायत दी है कि लापरवाही के कारण भविष्य में अगर ऐसी कोई घटना सामने आती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधीक्षक की होगी तथा दोषी लोक सेवक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि विगत दिनों एसएमएस अस्पताल में मरीज को दूसरे ग्रुप का ब्लड चढ़ाने, कांवटिया अस्पताल के परिसर में महिला का प्रसव जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए सभी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों एवं अधीक्षकों को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने पत्र लिखकर दिशा-निर्देश दिए हैं।

अबकी बार 400 पार के नारे से बौखलाया 'इंडी' गठबंधन : कैलाश मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन पूरी तरह हताश निराश होकर अंतर्कलह से झूझ रहा है। देश के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अबकी बार 400 पार वाले नारे से घबराकर इंडी गठबंधन ने एक झूठ फैलाना शुरू कर दिया कि भाजपा सत्ता में आने के बाद संविधान को बदलकर आरक्षण खत्म करेगी। इंडी गठबंधन अपनी जमानत बचाने के चक्कर में एससी-एसटी वर्ग को गुमराह कर रहा है। देश की जनता को पता है पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दलितों के हित में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में खुद यह कहा था कि जब तक भाजपा सत्ता में है आरक्षण से किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी।

एएसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित विरोधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ रही है। संविधान निर्माण के समय जब बाबा साहब ने आरक्षण का प्रावधान लागू किया तो कांग्रेस ने आरक्षण का विरोध किया। वहीं आरक्षण में दस साल बाद समाप्त करने और समीक्षा करने जैसे अडंगे लगाए। 27 जून 1961 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी भर्तियों में आरक्षण समाप्त करने की बात कही थी। मुख्यमंत्रियों द्वारा विरोध करने पर उन्हे अपनी गलती का पता चला। इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के लीडिंग केस के माध्यम से आरक्षण को कमजोर करने का प्रयास कांग्रेस सरकार के समय किया गया था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने तीन नये संसोधन करके एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को मजबूत करने का काम किया।

एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि देश में पहली बार जब आम चुनाव हुए तो कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। वहीं 1954 में महाराष्ट्र के भंडारा में हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस के नेताओं ने बाबा साहब को हराने के लिए पूरी ताकत लगाई और उन्हे चुनाव हरा दिया। इससे आहत होकर बाबा साहब अवसाद में चले गये और 06 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीते जी कांग्रेस ने उन्हे भारत रतन नहीं देने दिया, इसके बाद वीपी सिंह की सरकार आने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी की सिफारिश पर बाबा साहब को भारत रतन से नवाजा गया। कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े स्थानों को महत्व नहीं दिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पंच तीर्थ नाम से बाबा साहब के जन्म स्थान महु पर भव्य स्मारक निर्माण कराया, शिक्षा स्थल10 किंग्स हेनरी रोड़ लंदन, नागपुर, 26 अलीपुर रोड दिल्ली पर राष्ट्रीय स्मारक और दादर मुंबई पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया है। 200 करोड़ की लागत से जनपथ दिल्ली में विशाल इंटरनेशनल एक्सीलेंस सेटर निर्माणाधीन है। इसके साथ ही 400 करोड़ की लागत से मुंबई में 7.04 हैक्टेयर जमीन पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में शपथ लेते समय कहा था कि समाज कें अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास ही मोदी की जिम्मेदारी है। विकसित भारत 2047 के लिए भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यही विजन है।

प्रियंका गांधी ने सहारनपुर में रोड शो किया, कहा : भाजपा की विदाई तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की आठ सीट पर पहले चरण में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले, कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी ने बुधवार को यहां विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार इमरान मसूद के समर्थन में रोड शो किया।

जैन बाग क्षेत्र से शुरू हुआ यह रोड शो रायवाला, जेबीएस इंटर कॉलेज, कम्बोह पुल से होकर लगभग दो किलोमीटर की दूरी तय करते हुए मुस्लिम बहुल इलाके कुतुब शेर में समाप्त हुआ।

समय अवधि बीत जाने के बाद जिला प्रशासन ने प्रियंका गांधी के रोड शो को आगे जाने की इजाजत नहीं दी जिससे वह गुरुद्वारे और कांग्रेस कमेटी कार्यालय तक नहीं जा पाईं। कुतुबशेर थाने के पास ही उन्होंने अपना रोड शो समाप्त कर दिया। प्रियंका गांधी का गुरुद्वारा रोड स्थित गुरुद्वारे में भी जाने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने उन्हें अनुमति नहीं दी।

सोशल मीडिया नेटवर्क 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर वासियों के इस प्यार से अभिभूत हूं। यह उत्साह, यह जोश और यह जज्बा आने वाले परिवर्तन की आहट है। उन्होंने कहा,''बेरोजगारी और महंगाई से निराश हो चुकी जनता को अब बदलाव की उम्मीद दिखने लगी है। यह उत्साह उसी उम्मीद की झलक है। जनता पर अन्याय करने वाली भाजपा की विदाई तय है। जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया।

प्रियंका गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं- चुनावी बॉण्ड एक पारदर्शी योजना थी। तो फिर इसमें चंदा देने वालों के नाम गुप्त क्यों रखे गए? असल में चुनावी बॉण्ड काला धन सफेद करने का तरीका था। उन्होंने कहा कि जो कंपनी 180 करोड़ रुपए का मुनाफा कमा रही थी उस कम्पनी ने भाजपा को 1100 करोड रुपए का चंदा दे दिया यानी काला धन चुनावी बॉण्ड के माध्यम से सफेद किया गया।

उन्होंने कहा, यह चुनावी बॉण्ड मोदी जी के भ्रष्टाचार की पोल खोलता है। मोदी जी को देश के किसान की चिंता नहीं है। किसान अपने हक के लिए दिल्ली में कई महीने बैठा रहा लेकिन मोदी जी को सुनाई नहीं दिया। देश का किसान दस हजार रुपए के कर्ज के लिए आत्महत्या कर रहा है लेकिन अडानी का कर्ज एक झटके मे माफ कर दिया गया।

प्रियंका गांधी ने मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी जी का ध्यान गरीबों की ओर नहीं है, उनका ध्यान केवल धन्ना सेठों की ओर है। देश को मोदी के यही धन्नासेठ चला रहे हैं।

संविधान बदलने और वोट का अधिकार छीनने के लिए भाजपा ने दिया '400 पार' का नारा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि देश के संविधान को बदलने और लोगों से वोट देने का अधिकार छीनने के लिए ही भाजपा ने लोकसभा चुनाव में '400 पार' का नारा दिया है।

यादव ने मुरादाबाद से सपा उम्मीदवार रुचि वीरा के समर्थन में यहां आयोजित एक रैली में कहा, अगर कोई सरकार संविधान के अनुरूप काम करती है तो किसी भी समुदाय के खिलाफ पूर्वाग्रह की भावना से काम नहीं किया जा सकता। मगर जबसे भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आयी है तबसे उसकी सरकार ने लोगों के साथ सिर्फ नाइंसाफी की है।

उन्होंने वापस लिए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा, सरकार ने वे कृषि कानून तो वापस ले लिए लेकिन भाजपा नेता जिस तरह से 400 पार का नारा लगा रहे हैं,, ऐसे में अगर वे सत्ता में आ गए तो सम्भव है कि वे संविधान को ही बदल डालें। यहां तक कि वे हमारा वोट देने का अधिकार भी छीन सकते हैं। सपा अध्यक्ष ने नोटबंदी और चुनावी बांड को लेकर भी केन्द्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला किया।

सपा प्रत्याशी रुचि वीरा ने भी आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। वीरा ने कहा कि वह मुरादाबाद में ही पली-बढ़ी हैं।

ओलंपिक के 100 दिनों की उलटी गिनती पर हरमनप्रीत ने कहा, अब से हर अभ्यास सत्र अहम

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जाएगा। टोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक विजेता भारत मौजूदा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है। हरमनप्रीत ने कहा कि वे पेरिस में अपने टोक्यो परिणाम में सुधार करना चाहते हैं। इस स्टार ड्रैग-फ्लिकर की टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई, जहां मेजबान टीम ने उन्हें 0-5 से हराया था।

हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक में केवल 100 दिन बचे हैं और टीम में उत्साह बढ़ रहा है। भारतीय कप्तान ने कहा, स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होकर हमारी टीम की एकजुटता लगातार बढ़ रही है। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने ओलंपिक की उलटी गिनती के मद्देनजर हमारे लिए साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किए हैं।

दर्शकों का बर्ताव हार्दिक पंड्या को प्रेरित ही करेगा : श्रेयस गोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दर्शकों से लगातार 'हूटिंग' का सामना करना पड़ रहा है और बुधवार को उनके साथी श्रेयस गोपाल ने कहा कि इससे वह प्रेरित ही होंगे और मजबूती से वापसी कर अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पंड्या को आईपीएल 2024 के लिए मुंबई इंडियंस का कप्तान घोषित किया गया जिससे उन्होंने खेल प्रेमियों के पसंदीदा रोहित शर्मा की जगह ली जिन्होंने फ्रेंचाइजी को पांच ट्राफियां दिलायी। यह चीज खेल प्रेमियों को नागवार गुजरी और उन्होंने सभी स्टेडियमों में पंड्या की 'हूटिंग' कर अपनी निराशा व्यक्त की। गोपाल ने अपने मित्र पंड्या के बारे में कहा कि मुंबई इंडियंस का यह कप्तान मानसिक रूप से बहुत मजबूत है जिससे वह दर्शकों के व्यवहार से घबराता नहीं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में गोपाल ने कहा, मैं हार्दिक को एक दशक से जानता हूं और उसमें ज्यादा कुछ नहीं बदला है। वह मजबूत खिलाड़ी है और इस तरह की चीज उसे प्रेरित ही करेगी। उन्होंने कहा, उन्होंने अब तक इसे जिस तरह लिया है, वो हममें से कईयों के लिए बहुत प्रेरणादायक है। हालांकि रोज इस तरह के व्यवहार का सामना करना आसान नहीं है। लेकिन वह काफी मजबूत है। गोपाल ने कहा, उन्होंने इसका असर व्यक्तिगत रूप से खुद पर नहीं पड़ने दिया है। लेकिन यह शायद उनके दिमाग में रहेगा।

पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक अपने छह मैच में से केवल दो जीते हैं। इससे 10 टीम की तालिका में टीम आठवें स्थान पर चल रही है।

पश्चिम बंगाल में मनाई गई रामनवमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में बुधवार को रामनवमी के अवसर पर शोभायात्राएं निकाली गईं। कुछ इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने और कुछ इलाकों में भाजपा नेताओं ने कई शोभायात्राओं की अगुवाई की और इनमें हजारों लोग शामिल हुए।

जिनमें हजारों लोगों के साथ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने अलग अलग इनमें भाग लिया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामनवमी के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनसे शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लोगों की समृद्धि और विकास के लिए भी प्रार्थना की। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, रामनवमी के पावन पर्व पर सभी को शुभकामनाएं। मैं सभी से शांति,सौहार्द कायम रखने की अपील करती हूं।

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शहर के न्यू टाउन इलाके में एक शोभायात्रा में भाग लिया जबकि तृणमूल के मंत्री अरूप रॉय और पार्टी के हावड़ा लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार प्रसून बनर्जी ने हावड़ा शहर में शोभायात्रा में शिरकत की।

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने बैरकपुर में रामनवमी के पर्व पर शोभायात्रा का नेतृत्व किया। सिंह चुनाव का टिकट नहीं मिलने के बाद हाल में तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

बांकुरा, पुरुलिया, दुर्गापुर, आसनसोल और राज्य के अन्य स्थानों में युवाओं ने 'जय श्री राम' के नारों के साथ शोभायात्रा निकाली। इन यात्राओं में युवाओं ने हाथ में तलवारों की प्रतिकृतियां ली

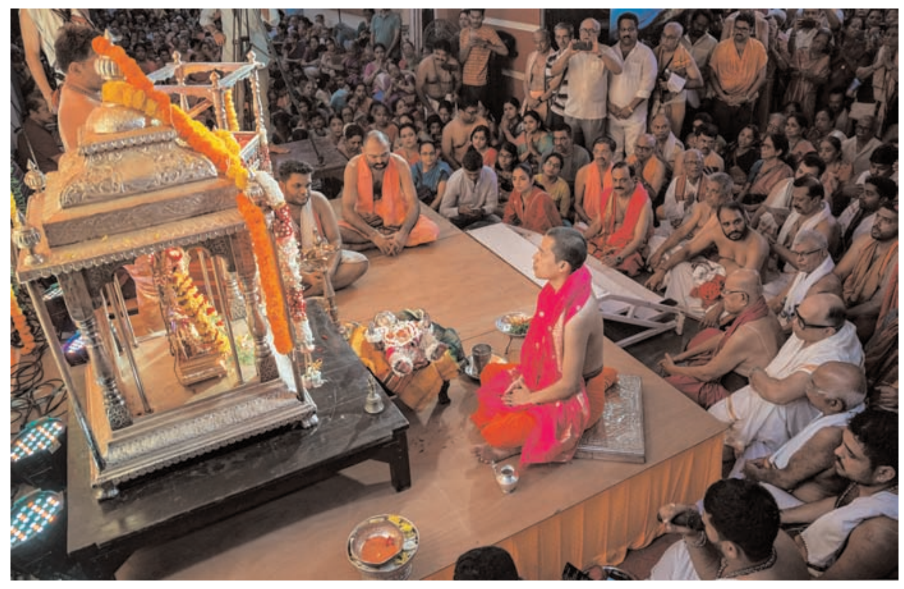

हुई थीं। प्रशासन ने हालांकि सार्वजनिक तौर पर हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन हावड़ा में शोभायात्रा के दौरान तलवारें दिखाई दीं।

इस पर भाजपा उम्मीदवार रतिन चक्रवर्ती ने कहा कि रामनवमी के रीति रिवाजों के अनुसार देवी की पूजा अस्त्र-शस्त्रों से की जाती है। यह परंपरा है और इसमें कुछ भी गैरकानूनी नहीं है।

बर्धमान से भाजपा के उम्मीदवार दिलीप घोष भी दुर्गापुर में शोभायात्रा में तलवार के साथ नजर आए।

लोकसभा चुनावः आम आदमी पार्टी ने 'आप का राम राज्य' वेबसाइट शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने 'राम राज्य' को लेकर अपनी अवधारणा जाहिर करने के उद्देश्य से बुधवार को एक वेबसाइट 'आप का राम राज्य' जारी की और कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में भगवान राम के आदर्शों को साकार करने की कोशिश की है। लोकसभा चुनाव से पहले और रामनवमी के दिन 'आप' ने 'आपकारामराज्य.कॉम' वेबसाइट शुरू की।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह वेबसाइट 'आप' की 'राम राज्य' की अवधारणा को प्रदर्शित करने के साथ-साथ केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए कामकाज की भी जानकारी देगी। सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने 'राम राज्य' की अवधारणा को साकार करने के लिए पिछले दस साल में दिल्ली में अच्छे स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त पानी और बिजली तथा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार है कि रामनवमी के मौके पर केजरीवाल अपने लोगों के बीच में मौजूद नहीं हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को झूठे गवाहों के बयानों के आधार पर 'निराधार' मामले में जेल भेजा गया है। सिंह ने कहा, अरविंद केजरीवाल की 'राम राज्य' की अवधारणा में कोई बड़ा या छोटा नहीं है और इसमें सभी के हित में काम किया जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए रामनवमी पर लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान के तहत इस वेबसाइट की शुरुआत की गई है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया अरविंद केजरीवाल और आप सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से सीख रही है।

फर्जी पासपोर्ट मामले में माफिया अबू सलेम के साथी की अपील खारिज, सजा बरकरार

लखनऊ/भाषा। लखनऊ की विशेष सीबीआई अदालत ने माफिया सरगना अबू सलेम के सहयोगी मोहम्मद परवेज आलम की फर्जी पासपोर्ट मामले में सजा को बरकरार रखते हुए उसकी अपील खारिज कर दी है। सीबीआई अदालत के न्यायाधीश विजेश कुमार ने मंगलवार को आलम की अपील खारिज कर दी। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 27 सितंबर 2022 को आलम के साथ-साथ अंडरवर्ल्ड माफिया डॉन अबू सलेम को दोषी ठहराया था और तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। अदालत ने सलेम पर 10 हजार जबकि आलम पर 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था। परवेज ने अपील में अपनी दोषसिद्धि और सजा को विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष चुनौती दी थी, लेकिन अपीली अदालत ने विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट के फैसले में कोई खामी नहीं पाई और उसे बहाल रखते हुए अपील खारिज कर दी।

प्रधानमंत्री ने 2014 की उम्मीदों पर पानी फेरा, 2024 में उनका जाना तय : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक बयान को लेकर बुधवार को उन पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री ने 2014 की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, 2019 से लोगों के साथ विश्वासघात किया और अब 2024 में उनका सत्ता से बाहर होना तय है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को असम में एक चुनावी जनसभा में कहा कि वह 2014 में लोगों के बीच आशा, 2019 में विश्वास और 2024 में गारंटी लेकर आए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि वह 2014 में आशा के साथ, 2019 में विश्वास के साथ और 2024 में अपनी गारंटी के साथ लोगों के पास आए। हकीकत में, उन्होंने 2014 की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है, 2019 से लोगों के साथ विश्वासघात किया है और अब 2024 में उनका सत्ता से बाहर होना तय है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा के चुनावी अभियान से पूर्वोत्तर से जुड़े प्रमुख मुद्दे गायब हैं। रमेश ने कहा, मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों को हर मोर्चे पर निराश किया है। मणिपुर में हिंसा, पूर्वोत्तर के लिए आवंटित धन का लगातार कम उपयोग, जंगल संबंधी खतरा, अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ, नगा शांति वार्ता का सुस्त पड़ना, कई ऐसे मुद्दे हैं जो उनके अभियान से गायब हैं।

दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक गंजम जिले में अपनी पारंपरिक हिंजिली सीट के साथ-साथ पश्चिमी ओडिशा के बोलांगीर जिले की कांटाबांजी विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री पटनायक ने बुधवार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी करते हुए इस बारे में घोषणा की।

नवीन पटनायक ने साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भी दो सीटों पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने पश्चिमी ओडिशा के बारगढ़ जिले के हिंजिली और बीजेपुर दोनों सीटों से जीत हासिल की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने बीजेपुर से इस्तीफा दे दिया और हिंजिली सीट बरकरार रखी थी। पटनायक द्वारा जारी की गई नौ उम्मीदवारों की सूची में छह महिलाएं और चार दलबदलू उम्मीदवार शामिल हैं। बीजद ने चार मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है, जिसमें चित्रकोंडा से पूर्ण चंद्र बाका, कुचिंडा से किशोर चंद्र नाइक, अंगुल से रजनीकांत सिंह और निमापाड़ा से समीर रंजन दाश शामिल हैं।

पटनायक ने इस विधानसभा चुनाव में चार दलबदलुओं को बीजद का उम्मीदवार बनाया है, जिसमें देवगढ़ से अरुंधति देवी, निमापाड़ा से दिलीप कुमार नायक, कुचिंडा से राजेंद्र कुमार छत्रिया और चित्रकोंडा से लक्ष्मीप्रिया नायक शामिल हैं।

कांग्रेस का आर्थिक एजेंडा विभाजनकारी : मिलिंद देवरा

भारत को विकास की पटरी से उतारेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवरा ने दावा किया कि किसी जमाने में आर्थिक सुधारों की शुरुआत करने वाली कांग्रेस का वर्तमान में विभाजनकारी आर्थिक एजेंडा है, जो भारत के आर्थिक विकास को पटरी से उतारना चाहता है। देवरा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि कांग्रेस अब काफी हद तक वामपंथी हो गई है और उन नीतियों के बारे में बात करती है, जो वामपंथ और समाजवाद से प्रेरित हैं और ये दोनों ही विचारधाराएं दुनिया भर में विफल रही हैं। देवरा ने कहा कि कांग्रेस को उन नीतियों के बारे में बात करनी चाहिए, जो ईंधन नवाचार और निवेश को बढ़ाए।

इस वर्ष जनवरी में कांग्रेस छोड़ कर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए देवरा ने कहा कि 1991 के आर्थिक सुधार, पिछले 60 से 70 वर्षों की कांग्रेस की नीतियों ने व्यापारियों और धन सृजनकर्ताओं को पनपने का मौका दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि अब कांग्रेस पार्टी उनकी आलोचना करने की कोशिश कर रही है। देवरा ने दावा किया, यह इस बात का संकेत है कि कांग्रेस अपनी ही बनाई हुई परंपरा से दूर भाग रही है। किसी जमाने में कांग्रेस के पास भारत को आगे ले जाने का आर्थिक एजेंडा था। आज मुझे लगता है कि कांग्रेस का आर्थिक एजेंडा विभाजनकारी है, जो भारत के आर्थिक विकास को पटरी से उतारना चाहता है। आज भारत में वाकई दिलचस्प बयार चल रही है और दुनिया चीन से हटकर भारत में निवेश करना चाहती है। मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे देवरा ने कहा, हमें इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। वर्ष 2004 से 2014 तक दक्षिण मुंबई से लोकसभा सदस्य रहे देवरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह सहित कांग्रेस के कई नेता पार्टी के मौजूदा आर्थिक दृष्टिकोण से इत्तेफाक नहीं रखते।

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को कूचबिहार न जाने की सलाह दी

कोलकाता/भाषा। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण की पूर्व संध्या पर कूचबिहार का अपना प्रस्तावित दौरा रद्द करने की सलाह दी है क्योंकि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कूचबिहार में 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होना है और चुनाव प्रचार पर रोक संबंधी 48 घंटे की अवधि बुधवार शाम से शुरू हो गई।

सूत्रों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के 18 और 19 अप्रैल को कूचबिहार के प्रस्तावित दौरे के बारे में पता चलने पर निर्वाचन आयोग ने उन्हें दौरा रद्द करने की सलाह दी है क्योंकि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा। निर्वाचन आयोग ने राज्यपाल कार्यालय को भेजे गए अपने पत्र में कहा कि आदर्श आचार संहिता के चलते राज्यपाल के लिए कोई भी स्थानीय कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सकता जैसा कि उनके कार्यक्रम में प्रस्तावित है। आयोग ने यह भी कहा है कि 18 और 19 अप्रैल को पूरा जिला प्रशासन तथा पुलिस बल चुनाव प्रबंधन में व्यस्त रहेगा। उसने कहा कि बोस का दौरा जिला प्रशासन तथा पुलिस बल के लिए समयबद्ध चुनाव संबंधी कार्यों से ध्यान भटकाने वाला होगा क्योंकि उन्हें राज्यपाल के अप्रत्याशित प्रस्तावित दौरे के लिए प्रोटोकॉल और स्थानीय सुरक्षा कवर की व्यवस्था करनी पड़ेगी।

'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर एनआरसी, सीएए को रद्द कर देंगेः ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलचर (असम)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूरे देश को ''डिटेंशन कैंप'' बनाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' सत्ता में आता है तो संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को खत्म कर दिया जाएगा।

असम में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चार उम्मीदवारों के समर्थन में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटते हैं तो देश में ''लोकतंत्र नहीं बचेगा और चुनाव नहीं होंगे।

बनर्जी ने आरोप लगाया, उन्होंने (भाजपा) पूरे देश को डिटेंशन कैंप बना दिया है...ये चुनाव बहुत खतरनाक हैं। मैंने अपने जीवन में इतना खतरनाक चुनाव कभी नहीं देखा।

बनर्जी ने दावा किया कि जब वह एनआरसी को लेकर दोनों राज्यों (असम-पश्चिम बंगाल) के

बंगाली लोगों के समर्थन में पश्चिम बंगाल में आंदोलन कर रही थीं तो असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पुलिस में कई मामले दर्ज कराए। बनर्जी ने कहा, मेरी गलती क्या थी? क्या आप मुझे जेल भेजेंगे, मार डालेंगे या डिटेंशन कैंप में डाल देंगे? जब एनआरसी से बाहर किए गए 19 लाख लोगों में 17 लाख बंगाली असमिया थे, तो मैं लोगों के लिए आंदोलन कर रही थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी सभी धर्मों से प्यार करती है और नहीं चाहती कि धार्मिक आधार पर लोगों के बीच भेदभाव हो।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रैली में कहा, अगर 'इंडिया' गठबंधन जीतता है, तो एनआरसी, सीएए और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू नहीं होगी। हम सभी भेदभावपूर्ण कानूनों को रद्द कर देंगे।

रैली में बनर्जी ने कहा, अगर मोदी दोबारा जीते, तो लोकतंत्र नहीं रहेगा और कोई चुनाव नहीं होगा। पूरा देश बेच दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से लोकसभा चुनाव में असम में टीएमसी के सभी चार उम्मीदवारों के लिए वोट करने की अपील की और घोषणा की कि उनकी पार्टी 2026 के राज्य विधानसभा चुनाव में सभी 126 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बनर्जी ने कहा, यह सिर्फ एक ट्रेलर है... फाइनल अभी बाकी है। मैं फिर आऊंगी।

सुविचार

जिंदगी का हर एक रिश्ता विश्वास पर टिका होता है, उस विश्वास को कभी टूटने नहीं देना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समझ से परे!

कुछ 'बुद्धिजीवी' इस बात को लेकर बार-बार 'माहौल बनाने' की कोशिश में क्यों जुट जाते हैं कि ईवीएम के कारण 'निष्पक्ष चुनाव' संभव नहीं हैं? मतपत्रों के दौर में लौट जाने की उनकी तीव्र इच्छा समझ से परे है! वे ईवीएम को हटवाकर मतपत्रों से चुनाव कराने का अनुरोध लेकर उच्चतम न्यायालय चले जाते हैं, लेकिन वहां उनके इस कदम पर नाखुशी जताई जाती है। निस्संदेह भारत में चुनाव प्रक्रिया बहुत बड़ा काम है। इसके लिए मजबूत तंत्र की जरूरत होती है। हम 21वीं सदी में सुधारों का रास्ता छोड़कर साठ-सत्तर के दशक के तौर-तरीकों से चुनाव नहीं करवा सकते। दुनिया के कई देशों के अधिकारी हर साल भारत आकर हमारे अनुभवों से जानने-सीखने की कोशिश करते हैं। उनके लिए यह किसी आश्चर्य से कम नहीं कि इतनी बड़ी आबादी वाला देश किस तरह चुनाव सुधारों को अपनाते हुए आज ईवीएम का बटन दबाकर अपने प्रतिनिधि चुन रहा है! आजादी के बाद जब भारत में संविधान बना, मतदान, जनप्रतिनिधि, लोकतंत्र आदि के बारे में लोगों की जानकारी में वृद्धि हुई, तब पश्चिम में 'बुद्धिजीवियों' का एक वर्ग हमारा मजाक उड़ाया करता था। उसका दृढ़ विश्वास था कि 'भारत में लोकतंत्र कभी नहीं पनप सकेगा, क्योंकि लोगों को इसकी आदत नहीं है और उनके जीवन में इतने अभाव हैं कि वे उन्हें दूर करने में ही रुचि लेंगे, न कि लोकतंत्र की फिक्र करेंगे।' आज गर्व से कह सकते हैं कि हमने पश्चिम के उन कथित बुद्धिजीवियों को ग़लत साबित कर दिया। भारत की जनता समय के साथ अधिक जागरूक होती गई। उसने जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया तो उनसे तीखे सवाल भी पूछे। उसने धूमधाम से सरकारें बनाईं तो उसी धूमधाम से उन्हें विदा भी किया।

> **मतपत्रों की वापसी की मांग के समर्थन में यह तर्क दिया जाता है कि 'यूरोप के कई विकसित देश भी पुराने तरीके से मतदान करवाते हैं, उन्होंने तो ईवीएम को नहीं अपनाया!' उन देशों में मतपत्रों से मतदान और मतगणना करवाना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है।**

आज भारतीय मतदाता ईवीएम के जरिए जनप्रतिनिधि चुन रहा है तो यह देश के लोकतंत्र के साथ ही वैज्ञानिक सामर्थ्य की भी विजय है। अगर किसी व्यक्ति / संगठन के पास इस बात के ठोस प्रमाण हैं कि कहीं दूर बैठे-बैठे ही ईवीएम (वह भी लाखों की तादाद में) के आंकड़ों से छेड़छाड़ की जा सकती है, तो उसे अवश्य न्यायालय जाना चाहिए। वहां अपने प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिएं। मात्र यह कह देने से कि 'मुझे लगता है कि ईवीएम में गड़बड़ हो सकती है', देश कई दशक पुराने दौर में नहीं लौट सकता। मतपत्रों की वापसी की मांग के समर्थन में यह तर्क दिया जाता है कि 'यूरोप के कई विकसित देश भी पुराने तरीके से मतदान करवाते हैं, उन्होंने तो ईवीएम को नहीं अपनाया!' उन देशों में मतपत्रों से मतदान और मतगणना करवाना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। उनकी आबादी भारत के तीन-चार शहरों की आबादी से ज्यादा नहीं है। इसलिए उन देशों की चुनाव प्रक्रिया की (इस सन्दर्भ में) तुलना करना न्यायसंगत नहीं है। यह भी न भूलें कि ईवीएम को हटाकर मतपत्रों से चुनाव कराए जाएं तो समस्याएं कम नहीं होंगी, बल्कि बढ़ेंगी। याद कीजिए वह दौर, जब बूथ कब्जाकर मतपत्रों पर ठप्पे लगा दिए जाते थे। 'बाहुबली' किस्म के नेता अपने साथ उपद्रवी तत्त्वों को रखते थे, जिनका काम ही जनता को डराना, मनमर्जी से ठप्पे लगाकर मतपेटी में डालना और मतपेटी को लूटना होता था। मतगणना वाले दिन भी मतपत्रों की वजह से झगड़े होते थे। ईवीएम ने ऐसे कई झगड़ों से निजात दिला दी है। देशवासी फिर से उन्हीं झगड़ों, समस्याओं और मुसीबतों के साक्षी नहीं बनना चाहते।

ट्वीटर टॉक

प्रभु श्रीराम भारतीय जनमानस के रोम-रोम में रचे-बसे हैं, अंतर्मन में समाहित हैं। भव्य राम मंदिर की प्रथम रामनवमी का यह अवसर उन असंख्य राम भक्तों और संत-महात्माओं को स्मरण और नमन करने का भी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राम मंदिर के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

-नरेन्द्र मोदी

हमारा संविधान जो हमें राष्ट्र को आगे बढ़ाने की ताकत देता है उसे बनाने वाले 80% से ज्यादा सनातनी थे। आजादी के बाद संविधान को राजनीति का हथियार नहीं बल्कि श्रद्धा के स्वरुप में जन-मन में प्रतिस्थापित करना चाहिए था, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नहीं किया गया।

-जेपी नड्डा

मेरे प्रिय सम्माननीय अन्नदाता किसान भाइयों, पिछले 10 वर्षों में मोदी जी की सरकार ने किसानों के लिए भरपूर कार्य किए हैं। पीएम किसान योजना से सीधे मदद आपके खातों में पहुंच रही है। किसान का सम्मान ही मोदी जी की गारंटी है।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

दुराग्रह से दुख

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध समाज सुधारक बाबा आमटे बचपन में बेहद संवेदनशील स्वभाव के थे और जरा-जरा सी बात पर नाराज हो जाते थे। जिससे नाराज हो जाते थे फिर उससे कोई संबंध नहीं रखते थे। एक बार उनके एक दोस्त ने कुछ ऐसा कह दिया कि वे बहुत नाराज हो गए। मित्र ने कई बार स्थिति का स्पष्टीकरण देने का प्रयास किया लेकिन बाबा आमटे ने एक न सुनी। हारकर मित्र बाबा आमटे की माता जी के पास गया और उनके दुराग्रह के बारे में बताया। मां ने दोस्त की बात को ध्यान से सुना। मां किशोर बाबा आमटे को लेकर नजदीक के बगीचे में ले गई। उस समय पतझड़ का मौसम था। पेड़ों ने पुराने पत्ते स्वेच्छा से त्याग दिये थे। मां ने किशोर आमटे को पत्ते दिखाते हुए कहा, 'देखो ये पत्ते खुद पेड़ ने त्यागे हैं। इसी तरह मनुष्य को अपने मन में जमा दुराग्रह, नकारात्मक विचार, ईर्ष्या, द्वेष का त्याग कर देना चाहिए। यदि हम ऐसा नहीं करते तो ये हमारे तनाव व दुख का कारण बनते हैं। साथ ही हमारी प्रगति में बाधक बनते हैं।' मां के आत्मीय शब्दों से आमटे जी को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने तत्काल अपने मित्र से संपर्क साधा और उससे क्षमा मांगी।

सामयिक

भारत की बेमिसाल विरासत से दुनिया स्तंभित

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

> **भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक ष्टि से केवल स्मारक एवं स्थल हीं नहीं, प्रभु श्रीराम जैसे महानायकों का जीवन भी दुनिया के लिये प्रेरणास्रोत रहा है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया।**

मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने के लिए हर साल 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर की विभिन्न संस्कृतियों को प्रोत्साहित करने, सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक स्मारकों और स्थलों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। दुनिया भर के लोग त्योहारों, परंपराओं और स्मारकों के माध्यम से अपनी संस्कृति और विरासत का जश्न मनाते हैं। इस दिवस को मनाते हुए यूनेस्को असाधारण मूल्य के सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों की सुरक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विकास के साथ जुड़े एक समृद्ध इतिहास को बढ़ावा देता है। पहला विश्व धरोहर दिवस ट्यूनीशिया में मनाया गया था। विश्व धरोहर दिवस की शुरुआत 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (आईसीओएमओएस) ने की थी। इसके बाद 1983 में इसे यूनेस्को' की मंजूरी मिली। 1983 के बाद से हर साल अलग-अलग थीम के साथ विश्व धरोहर दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है। 2024 की आधिकारिक थीम हमारे वैश्विक विरासत की रक्षा करना है। यूनेस्को किसी स्मारक या स्थल को धरोहर घोषित करता है तो उसके बाद उस जगह का नाम विश्व में काफी मशहूर हो जाता है। जिससे वहां विदेशी पर्यटकों का आवागमन भी काफी बढ़ जाता है, जिसका लाभ सीधा देश की अर्थव्यवस्था एवं वहां के पर्यटन व्यवसाय को मिलता है। विश्व धरोहर घोषित होने के बाद उस जगह का खास ध्यान रखा जाता है और उसकी सुरक्षा भी बढ़ा दी जाती है। यदि ये स्मारक ऐसे देश में है, जिसकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है, तो यूनेस्को ही स्मारक की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद और विश्व संरक्षण संघ ये दो संगठन है, जो इस बात का आकलन करते हैं कि स्थल विश्व धरोहर बनने लायक है या नहीं। साल में एक बार इस विषय के लिए समिति की बैठक होती है और फिर उन जगहों का चयन करती है, उसके बाद दोनों संगठन इसकी सिफारिश विश्व धरोहर समिति से करते हैं। फिर ये फैसला लिया जाता है कि उस जगह को विश्व धरोहर बनाना है या नहीं। विश्व विरासत दिवस की इसलिए अपने आप में एक वैश्विक महत्ता है, क्योंकि इसके जरिए दुनिया में सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में सहूलियत मिल रही है। विश्व की विरासतें मानव को सतत रूप से प्रेरित करती हैं। सिर्फ किसी समाज की विरासत उसी समाज को प्रेरित नहीं करती बल्कि विश्व के दूसरे समाजों को भी विरासत अच्छी तरह से प्रेरित करती है। विरासत दिवस के चलते पर्यावरण और जागरूकता को बढ़ावा मिलता है। विरासतें विभिन्न समुदायों के बीच रिश्तों को आत्मीय और सम्मानजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और मानवीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए महत्वपूर्ण आधार होती हैं। यही वजह है कि विश्व विरासत को दुनियाभर के मानव समाज के लिए महत्वपूर्ण माना गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने ज़रूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हज़ारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

पर्यटन ने यहाँ आतिथ्य क्षेत्र में भी रोज़गार को बढ़ावा दिया है। यहाँ की मुख्य मिठाई घेवर' है। राजस्थान असंख्य पर्यटन अनुभवों, व्यंजनों और मोहक स्थलों का प्रांत है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। यह राजस्थान पल-पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से परिपूर्ण समृद्ध विरासत का खजाना है। इस राजस्थान की समग्र विविधताओं, नित नवीनताओं और अंतर्विरोधों से साक्षात्कार करना सचमुच अलौकिक एवं विलक्षण अनुभव है। देश-दुनिया में हमारे पूर्वजों ने विभिन्न शिल्प-कलाओं में जो शानदार कृतियां (स्मारक, ग्रंथ, मंदिर, किले, महल या मकबरे आदि के रूप में) उकेरीं, वो आज हम सभी के सामने महान सांस्कृतिक धरोहरों के रूप में मौजूद हैं। ये हमारे गौरवशाली अतीत की याद दिलाते हैं, साथ ही आर्थिक लाभ का जरिया भी बनते हैं।

भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से केवल स्मारक एवं स्थल हीं नहीं, प्रभु श्रीराम जैसे महानायकों का जीवन भी दुनिया के लिये प्रेरणास्रोत रहा है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है।

प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा, तभी विश्व विरासत दिवस मनाना सार्थक होगा। भारत में विश्व धरोहरों का सम्मान इसलिए भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि लंबे समय तक भारत पहले विदेशी आक्रांताओं और फिर साम्राज्यवादी लूट-खसोट का केंद्र रहा है, इसलिए पिछले लगभग 1000 सालों में भारत की सांस्कृतिक विरासत न सिर्फ बड़े पैमाने पर छिन्न-भिन्न हुई बल्कि इन विदेशी लुटेरों और साम्राज्यवादी षड़यंत्रकारियों ने लोगों के दिलोदिमाग में ऐसी हीनताबोध भी भर दिया कि आम हिंदुस्तानियों को अपने इतिहास, संस्कृति और परंपरा में कोई ऐसी महत्वपूर्ण चीज ही नजर नहीं आती थी, जिसे सांस्कृतिक धरोहर मानकर उसके प्रति गौरवबोध का एहसास हो। आदर्श समाज व्यवस्था का मूल आधार है प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर जीना। रामायण में आदर्श समाज व्यवस्था को रामराज्य के रूप में बताया गया है उसका बड़ा कारण है प्रकृति के कण-कण के प्रति संवेदनशीलता।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन स्थलों, महानायकों, अमूल्य ग्रंथों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

नजरिया

पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहा है सनातन हिंदू धर्म

प्रहलाद सबनानी
मोबाइल : 9987949940

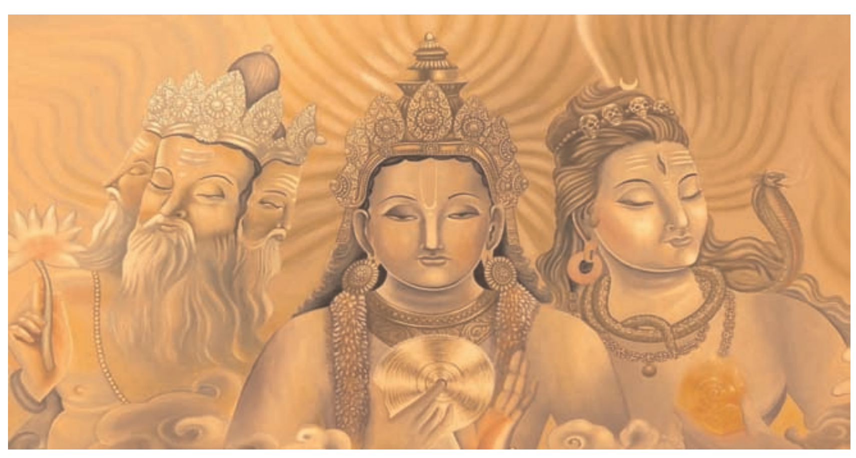

पूरे विश्व में आज विभिन्न देशों के नागरिकों में शांति का अभाव दिखाई दे रहा है एवं परिवार के सदस्यों के बीच भी भाईचारे की कमी दिखाई दे रही है। शादी के तुरंत बाद तलाक लेना तो जैसे आम बात हो गई है, आज कई विकसित देशों में तलाक की दर 60 प्रतिशत से भी अधिक है। बुजुर्ग माता पिता की देखभाल करने वाला उनका अपना कोई साथ नहीं है। अमेरिका में तो लगभग 10 लाख बुजुर्ग नागरिक खुले में रहते हुए अपना जीवन यापन करने को मजबूर हैं। इन देशों में तो जैसे सामाजिक तानाबाना ही छिन्न भिन्न हो गया है। इसी प्रकार के अन्य कई कारणों के चलते आज सनातन हिंदू धर्म के प्रति विदेशी लोग आकर्षित हो रहे हैं, क्योंकि सनातन हिंदू धर्म का अपना एक अलग ही महत्व है। सनातन हिंदू धर्म में कुटुंब के प्रति वफादारी बचपन से ही सिखाई जाती है। भारत में आज भी संयुक्त परिवार की प्रथा प्रचलन में हैं, जिससे बच्चे अपने बचपन में ही अपने माता पिता की सेवा करने के संस्कार सीखते हैं और उन्हें पूरे जीवन भर अपने साथ रखने का संकल्प लेते हैं।

विश्व में कुछ अन्य धर्मों में बच्चों को बचपन में ही कट्टरता सिखाई जाती है एवं केवल अपने धर्म को ही सर्वश्रेष्ठ धर्म के रूप में पेश किया जाता है। इससे इन बच्चों में अन्य धर्मों के प्रति सद्भावना विकसित नहीं हो पाती है। कई बार तो अन्य धर्म को मानने वाले नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें अपना धर्म मानने को मजबूर भी किया जाता है। इसके ठीक विपरीत सनातन हिंदू धर्म किसी अन्य मजहब को मानने वाले व्यक्ति पर कभी भी कोई दबाव नहीं डालता है। सनातन हिंदू संस्कृति अन्य धर्मों के नागरिकों को किसी प्रकार का धर्म मानने की खुली स्वतंत्रता प्रदान करती है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस दुनिया में कोई भी धर्म नहीं था तब इस धरा पर निवास करने वाले लोग केवल सनातन हिंदू धर्म का ही पालन करते थे। सनातन हिंदू धर्म बहुत ही ज़्यादा संयमित धर्म है जो किसी अन्य धर्म की ना तो उपेक्षा करता है और न ही वह अपने धर्म के वर्चस्व को सबके सामने रखने का प्रयास करता है। इसी कारण से कट्टरता के इस माहौल में आज पूरे विश्व में सनातन हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था एवं रुचि बढ़ रही है।

सनातन हिंदू धर्म आज विश्व में तीसरा सबसे बड़ा धर्म है और भारत में अधिकतर लोग इस धर्म को मानते हैं। एक अनुमान के अनुसार सनातन हिंदू धर्म इस पृथ्वी पर 10,000 वर्षों से हैं। लेकिन यदि वेदों और उपनिषदों में लिखी बातों को माने तो सनातन हिंदू धर्म की उत्पति लाखों वर्ष पहिले हुई थी उस समय ये सनातन धर्म के नाम से जाना जाता था। हिंदू धर्म को मानने वाले लोग भारत में रहते थे। इस धर्म को बहुत प्रभावशाली माना गया है। अन्य कुछ धर्मों के संस्थापक रहे हैं, जैसे ईसाई धर्म के संस्थापक के रूप में प्रभु यीशू को माना जाता है तथा इस्लाम धर्म के लिए मोहम्मद साहिब को संस्थापक माना जाता है और बौद्ध धर्म के लिए गौतम बुद्ध को संस्थापक जाना जाता है। परंतु, हिंदू धर्म के बारे में कहा जाता है कि कुछ संतों एवं महापुरूषों ने एक होकर जीवन को सही तरीके से व्यतीत करने का तरीका विकसित किया था। सनातन हिंदू संस्कृति को, धर्म नहीं बल्कि यह, जीवन जीने का एक तरीका भी माना जाता था।

सनातन हिंदू धर्म का यह मानना है कि प्रभु परमात्मा ने इस धरा पर सबको खुलकर हंसने, उत्सव मनाने और मनोरंजन करने की योग्यता दी है। यही कारण है कि सनातन हिंदू धर्म में सबसे अधिक त्यौहार और संस्कार होते हैं। उत्सव, जीवन में सकारात्मक संदेश लेकर आते हैं और हमारे संस्कार मिलन सरिता को दर्शाते हैं। सनातन हिंदू धर्म की यही प्रक्रिया दुनिया पसंद करती है। तभी तो ब्रिज की होली और कुम्भ के मेले का अवलोकन करने के लिए पूरी दुनिया से लोग भारत में आते हैं। यही एक कारण है कि आज पूरी दुनिया के कोने कोने में लोग हिंदू धर्म में अपनी रुचि दिखा रहे हैं।

क ई देशों में तो आज सनातन हिंदू संस्कारों का अनुपालन करते हुए विशेष गांव स्थापित किए जा रहे हैं। आयरलैंड में 22 एकड़ का एक हिंदू आइलैंड बन गया है। इसे हरे कृष्णा आइलैंड का नाम दिया गया है। यहां निवासरत समस्त नागरिकों द्वारा सनातन हिंदू धर्म के प्राचीन रीति रिवाजों का पालन बहुत ही सहजता के साथ किया जाता है। सनातन हिंदू धर्म के वैदिक नियमों को सदा सदा के लिए जीवित रखने के लिए यहां पर रहने वाले सनातनी हिंदू, मांस का परित्याग का शाकाहारी भोजन गृहण करते हैं।

नशीले पदार्थों, शराब एवं सिगरेट आदि पदार्थों से भी दूर रहते हैं। सुबह एवं शाम मंदिरों में पूजा अर्चना करते हैं। उनका जीवन सादगी भरा रहता है तथा कृषि एवं गाय पालन करते हुए अपना जीवन यापन करते हैं।

महिलाएं साड़ी पहनती है एवं पुरुष धोती कुर्ता धारण करते हैं। इसी प्रकार के गांव जहां हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन किया जाता है अन्य कई देशों यथा घाना, फीजी एवं अन्य कई अफ्रीकी देशों, सुदूर अमेरिका, यूरोप के देशों, आदि में भी तेजी से फैलते जा रहे हैं। इसी प्रकार, कजाकिस्तान एक मुस्लिम देश है क्योंकि यहां की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी इस्लाम को मानने वाले लोगों की है। परंतु, हाल ही के समय में यहां भी एक बड़ा बदलाव देखने में आ रहा है और यहां नागरिक सनातन हिंदू धर्म के प्रति आकर्षित होते दिखाई दे रहे हैं। यहां सनातन हिंदू धर्म की लहर इतनी तेजी से उठी है कि हर तरफ हिंदू धर्म की आस्था एवं आध्यात्म का फैलाव दिखाई दे रहा है। यहां के युवा विशेष रूप से भगवत गीता पढ़ने की ओर आकर्षित हो रहे हैं और हिंदू धर्म को समझने का प्रयास कर रहे हैं। एक कजाकिस्तानी महिला मारीना टारगाकोवा की भगवत गीता को पढ़कर हिंदू धर्म के प्रति रुचि इतनी बढ़ी है कि अब उसने जैसे बीड़ा ही उठा लिया है कि वह कजाकिस्तान में सनातन हिंदू धर्म को फैलाने का प्रयास लगातार करती नजर आ रही है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लांच

हैदराबाद में बृंदा डायमंड्स के प्रबंध निदेशक माधव बंग, अभिनेत्री अमीक्षा, प्रीति, श्रावंती और अन्य के साथ बुधवार को लैब ग्रोन डायमंड ज्वैलरी के भव्य लॉन्च पर।

नवमी पर कुंवारी कन्याओं का पूजन किया योगी आदित्यनाथ ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि पर बुधवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। नवमी तिथि के अनुष्ठान के तहत गोरखनाथ मंदिर के नव भोजनालय में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि-विधान से पूजन किया, उन्हें चुनरी ओढाई, उनकी आरती उतारी, उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परम्परा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। एक बयान के मुताबिक वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि के अनुष्ठान में मुख्यमंत्री योगी ने सबसे पहले कुंवारी कन्याओं के पांव धोये। उन्होंने उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। उन्होंने चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी कुंवारी कन्याओं एवं बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी।

पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद योगी ने अपने हाथों से परोसा। कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार एवं दक्षिणा दिया गया। पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, द्वारिका तिवारी, वीरेंद्र सिंह, दुर्गेश बजाज, विनय गौतम आदि उपस्थित रहे। कन्या पूजन के बाद प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्र एवं श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वासंतिक नवरात्र में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी की तिथि तक आदिशक्ति मां भगवती के अलग अलग स्वरूपों का अनुष्ठान आज नवदुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पूजन के साथ संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि नवरात्र प्रकृति और परमात्मा से जुड़ाव की अद्भुत परंपरा है। उन्होंने आदिशक्ति मां भगवती से चराचर जगत के कल्याण की कामना की।

उन्होंने कहा कि वासंतिक नवरात्र की महत्वपूर्ण नवमी तिथि समाज को मर्यादा के मार्ग पर ले जाने वाले एवं मानवीय जीवन मूल्यों का उच्च आदर्श प्रस्तुत करने वाले प्रभु श्रीराम के जन्मदिन की भी तिथि होती है।

भारत में भगवान राम का विरोध करने वालों का पतन हुआ हैः राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने बुधवार को दावा

किया कि भारत में जिसने भी भगवान राम का विरोध किया है उसका पतन हुआ है और यही देश में कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ हुआ। सिंह ने आरोप लगाया कि दोनों दल भगवान राम या रामनवमी के महत्व को नहीं समझते। कांग्रेस और माकपा विपक्षी गुट 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का हिस्सा हैं। भाजपा नेता ने एक चुनावी बैठक में कहा, उन्होंने राम नवमी का पर्व मनाने में बाधा डाली। हम सबको मालूम है कि भारत में जिसने भी भगवान रा म का विरोध किया है उसका पतन हुआ है और यही देश में कांग्रेस और माकपा के साथ हुआ है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है और वह देश की सबसे विश्वसनीय राजनीतिक पार्टी है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर कांग्रेस और कम्युनिस्ट दलों की कथनी और करनी में अंतर है। सिंह ने कहा कि आत्मविश्वास से परिपूर्ण भाजपा को इस लोकसभा चुनाव में केरल में दोहरे अंक में सीट मिलेंगी। केरल में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव होंगे और मतगणना चार जून को होगी।

यूएई में रिकॉर्ड बारिश से जनजीवन प्रभावित, दुबई हवाई अड्डे में भरा पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। रेगिस्तानी देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मंगलवार को रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई, जिससे अधिकतर क्षेत्रों में लोगों को भारी जलभराव का सामना करना पड़ा। भारी बारिश के चलते दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में बाढ़ जैसे हालात बनने से बड़े पैमाने पर उड़ानें प्रभावित हुईं।

सरकारी समाचार एजेंसी 'डब्ल्यूएएम' की खबर के मुताबिक, मंगलवार को हुई बारिश एक ऐतिहासिक मौसमी घटना है, जो 1949 में डेटा संग्रह की शुरुआत के बाद से दर्ज की गई सबसे अधिक वर्षा है। बहरीन, ओमान, कतर और सऊदी अरब में भी बारिश हुई। हालांकि, पूरे संयुक्त अरब अमीरात में तेज बारिश देखी गई।

माना जा रहा है कि 'क्लाउड सीडिंग' भारी बारिश का कारण बनी क्योंकि सरकार ने कृत्रिम बारिश के प्रयास के तहत छोटे विमान तैनात किए थे। कई रिपोर्ट में राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानियों के हवाले से कहा गया है कि बारिश से पहले छह या सात 'क्लाउड सीडिंग' उड़ानें भरी गई थीं।

यूएई अपने घटते, सीमित भूजल को बढ़ाने के लिए 'क्लाउड सीडिंग' का सहारा लेता है। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एकत्र किए गए मौसम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, बारिश सोमवार देर रात से शुरू हुई जिसके बाद लगभग 20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण दुबई की सड़कों पर जलभराव हो गया। इसके बाद मंगलवार को स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे के आसपास तेज आंधी आई और फिर ये पूरे दिन जारी रही। इसके साथ ही भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

मंगलवार के अंत तक, 24 घंटों में 142 मिलीमीटर से अधिक बारिश ने दुबई में बाढ़ जैसे हालात बना दिये। एक दंपति ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बुधवार को बताया कि हवाई अड्डे पर स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने कहा, आपको टैक्सी नहीं मिल सकती। मेट्रो स्टेशन पर लोग सो रहे हैं। हवाई अड्डे पर लोग सो रहे हैं।

अफगानिस्तान में दो टीवी स्टेशनों पर रोक लगाई

इस्लामाबाद। तालिबान ने अफगानिस्तान में दो टीवी स्टेशनों का प्रसारण यह कहते हुए रोक दिया है कि वे राष्ट्रीय और इस्लामी मूल्यों को संजोने में विफल रहे हैं। सूचना मंत्रालय के मीडिया उल्लंघन आयोग के अधिकारी हफीजुल्लाह बराकजई ने कहा कि एक अदालत काबुल स्थित इन दो स्टेशनों की फाइलों की पड़ताल करेगी। अदालत के फैसला सुनाने तक नूर टीवी और बरया टीवी काम नहीं कर सकते। अधिकारी ने कथित उल्लंघन पर कोई और विवरण नहीं दिया। साल 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद कई पत्रकारों की नौकरी चली गई है और मीडिया प्रतिष्ठान धन की कमी के कारण बंद हो गए हैं या इनके कर्मचारियों ने देश छोड़ दिया है। अफगानिस्तान में कार्य और यात्रा संबंधी रोक के कारण महिला पत्रकारों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दोनों प्रसारकों की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।

शोभा यात्रा

दक्षिण कोलकाता से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार तापस रॉय ने बुधवार को कोलकाता में रामनवमी उत्सव के अवसर पर एक शोभा यात्रा में भाग लिया।

'यशोदा का नंदलाला' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

काजल राघवानी और गौरव झा स्टारर फिल्म यशोदा का नंदलाला का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मैड्ज़ मूवीज प्रेजेंट और वर्ल्ड वाइड फिल्म प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी काजल राघवानी और गौरव झा स्टारर फिल्म यशोदा का नंदलाला का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह, समीर आफताब और प्रतीक सिंह हैं, जबकि निर्देशक राज किशोर प्रसाद (राजू) हैं। ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिशियल यूट्यूब से रिलीज हुआ है। निर्माता प्रदीप सिंह ने कहा कि हम जल्द ही फिल्म को रिलीज करेंगे। फिल्म बेहद अच्छी बनकर तैयार हुई है और ट्रेलर के बाद उम्मीद है कि लोगों में फिल्म के प्रति ललक और बढ़ेगी। प्रदीप सिंह ने कहा कि जल्द ही हम फिल्म के रिलीज का डेट अनाउंस करेंगे लेकिन उससे पहले हम दर्शकों से आग्रह करेंगे कि वह ट्रेलर को देखें और लोगों को भी इसे देखने का आग्रह करें। उन्होंने बताया कि फिल्म यशोदा का नंदलाला आधुनिक युग की कहानी पर आधारित है, जिसमें गौरव झा, काजल राघवानी, रक्षा गुप्ता, ललित उपाध्याय, जे. नीलम, सोनिया मिश्रा, कंचन मिश्रा, गोपाल चौहान, सुष्मिता मिश्रा, रवींद्र टुटेजा मुख्य भूमिका में हैं। लेखक सुरेंद्र मिश्रा एवं विवेक मिश्रा, संगीत ओम झा, छायांकन समीर जहांगीर और संकलन गुर्जंट सिंह ने किया है। इसके अलावा नृत्य कानू मुखर्जी, कला रणधीर एन दास, मारधाड़ अशोक यादव, वेशभूषा, विद्या-विष्णु की है।

फिल्म 'उलझ' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म 'उलझ' का टीजर रिलीज हो गया है। जाह्नवी कपूर ने फिल्म उलझ में इंडियन फॉरेस्ट सर्विस ऑफिसर का किरदार निभाया है।

फिल्म की कहानी देशभक्ति पर आधारित है, जो एक यंग डिप्लोमैट सुहाना (जाह्नवी कपूर) के इर्द- गिर्द घूमती है। फिल्म में सुहाना देश और अपने खिलाफ हो रही साजिश के बीच उलझती हुई नजर आएंगी। इस फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर की शुरुआत सारे जहान से अच्छा की धुन से होती है। इसके बाद जाह्नवी कपूर के किरदार की एंट्री होती है, जिसकी पोस्टिंग विदेश में है।

वहीं, ब्रैकग्राउंड में एक शख्स की आवाजा सुनाई देती है, जो अपने देश के साथ गद्दारी करने के लिए उसे मैन्यूपुलैट करने की कोशिश करता है। टीजर के अंत में जाह्नवी कपूर एक्शन मोड में भी नजर आती हैं। उलझ में जाह्नवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुधांशू सरिया ने किया है।

जंगली पिक्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म उलझ को अमृता पांडे और विनीत जैन ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 05 जुलाई को रिलीज होगी।

प्रशांत वर्मा ने 'जय हनुमान' का पोस्टर किया रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आज राम नवमी के इस पवित्र मौके पर ब्लॉकबस्टर हनुमान के सीक्ल का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है। यह सीक्वल 'जय हनुमान' के नाम से आएगा। फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा ने फिल्म के बारे में एक फोटो जारी करके फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। प्रशांत वर्मा ने फिल्म की एक तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया। यह फिल्म का पहला पोस्टर है। जिसमें भगवान हनुमान और भगवान राम का हाथ दिखाई दे रहा है। ऐसा लग रहा है कि दोनों एक-दूजे से कोई वादा कर रहे हों। यह पोस्टर काफी धार्मिक और सकारात्मक उर्जा से भरा दिखाई दे रहा है।

फैंस इस पोस्टर को देखकर काफी रोमांचित हो रहे हैं। फिल्म के पोस्टर काफी धार्मिक दिखाई दे रहा है। पोस्टर पर लिखा 'वजनं धर्मस्य रक्षणं' है। इसका अर्थ है, ''त्रेतायुग में एक पवित्र वादा किया गया था जिसकी कलयुग में रक्षा की जाएगी।'' प्रशांत ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, सभी को राम नवमी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

इस पवित्र अवसर पर और भगवान राम के दिव्य आशीर्वाद के साथ, यह दुनिया भर के सभी दर्शकों से मेरा वादा है कि मैं आपको ऐसा अनुभव दूंगा। पहले कभी नहीं और जीवन भर जश्न मनाने वाली यह फिल्म हम सभी के लिए खास होने वाली है।

फिल्म 'मैं लड़ेगा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता-लेखक आकाश प्रताप सिंह की आने वाली फिल्म 'मैं लड़ेगा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय भगवानजी और पिनाकिन भक्त द्वारा निर्मित आकाश प्रताप सिंह की फिल्म 'मैं लड़ेगा' में लाडेगा एक बेटे की कठिन कहानी को दर्शाती है, जो अपने पिता के खिलाफ अपनी मां के सपोर्ट में खड़ा होता है।मैं लड़ेगा एक छोटे शहर के परिवार की कहानी है जहां मां को लगभग हर दिन अपने पति से घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। यह अप्रिय माहौल आकाश के किरदार पर एक छाप छोड़ देता है, वह खुद को घर से दूर कर लेता है और बड़ा होकर एक मुक्केबाज बन जाता है और वह अपने पिता से भिड़ जाता है, जो कई सालों से उसकी मां पर अत्याचार कर रहे थे। अक्षय भगवानजी और पिनाकिन भक्त द्वारा निर्मित मैं लड़ेगा का निर्देशन गौरव राणा ने किया है। मैं लड़ेगा 26 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सलमान के घर के बाहर गोलीबारी की शत्रुघ्न सिन्हा ने की निंदा

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद, मुंबई पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को सोमवार के दिन गुजरात के भुज से गिरफ्तार किया गया है, जहां वे घटना के बाद भाग गए थे। इसी बीच अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार और अनुभवी अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने इस घटना की निंदा की है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में कहा, सलमान और उनका परिवार, जिसमें उनके पिता, महान लेखक सलीम (खान) साहब भी शामिल हैं, मेरे दिल के बहुत करीब हैं। रविवार सुबह जब मैंने इस घटना के बारे में सुना तो मेरी प्राथमिक चिंता परिवार की सुरक्षा थी। सलीम साहब और सलमान हमारी फिल्म इंडस्ट्री की शान हैं। हमें एक बिरादरी के रूप में इस तरह के कायरतापूर्ण कृत्य की निंदा करने के लिए आगे आना चाहिए।

अभिनेता ने आगे कहा, उनके प्रशंसकों की प्रार्थनाएं और आशीर्वाद सलमान और उनके परिवार को सुरक्षित रखेंगी। लेकिन, फिल्म में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा और भलाई राज्य सरकार के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। इस तरह से खुले आम आतंक फैलाना अच्छा संकेत नहीं है। सांसद ने फिल्म निर्माता राकेश रोशन पर 2000 में हुए हत्या के प्रयास को भी याद किया। उन्होंने कहा, हमने सोचा कि फिल्म उद्योग को डराने की कोशिश करने वाले आपराधिक तत्वों के वे दिन खत्म हो गए हैं, लेकिन ऐसा नहीं है।

'खलनायक 2' की रेस में रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, यश और अल्लू अर्जुन

मुंबई/एजेन्सी

सुभाष घई ने 'खलनायक 2' की स्क्रिप्टिंग पूरी कर ली है। निर्देशक, जिन्होंने तीन दशक पहले संजय दत्त के साथ 'खलनायक' बनाई थी, बल्लू बलराम की भूमिका निभाने के लिए कुछ लोकप्रिय युवा अभिनेताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। निर्देशक सुभाष घई ने फिल्म की स्क्रिप्टिंग पहले ही पूरी कर ली है। हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि 1993 की फिल्म के सीक्वल में संजय दत्त को वापस लाया जाएगा या नहीं, घई बल्लू बलराम की भूमिका के लिए एक युवा और गतिशील अभिनेता को लेने की उम्मीद कर रहे हैं। दरअसल, साउथ के पॉपुलर एक्टर भी उनकी लिस्ट में हैं।

सुभाष घई बल्लू बलराम के किरदार के लिए रणवीर सिंह और रणबीर कपूर जैसे अभिनेताओं से संपर्क करना चाहते हैं। दरअसल, वह सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। अल्लू अर्जुन और यश भी उनकी लिस्ट में हैं और वह उनसे भी संपर्क करना चाहते हैं, वह बस कोई ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो बल्लू बलराम की विरासत को आगे ले जा सके। 'खलनायक' में माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और अनुपम खेर थे। पिछले साल फिल्म की 30वीं सालगिरह मनाने के लिए कलाकार एक साथ आए थे। यह फिल्म रिलीज होते ही विवादों से घिर गई थी। फिल्म का गाना, 'चोली के पीछे क्या है', एक बड़ा हिट था और इसे 2024 की फिल्म, 'क्रू' में दोहराया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

8

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 18-04-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शक्ति सम्पन्न बनने के लिए साधना जरूरी है, साधना के लिए सरलता, विनम्रता चाहिए। अटूट श्रद्धा, एकाग्रता, स्थिरता, नियमितता होने से मंत्र को साधा जा सकता है। मानसिक, शारिरिक, भावनात्मक शांति में मंत्र उपयोगी साधन बनता है। श्रावक समाज को नेम और फ्रेम की बनिस्पत संघ और संघपति की सेवा में सलग्न बनना चाहिए। थीटा, बीटा आध्यात्मिक मंत्र साधना से अल्पा तरंगों में परिवर्तित हो जाते हैं। प्रमाद, निन्दा, कुरूतियाँ दूर हो जाती हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि मैं शक्ति सम्पन्न बनू। जैन धर्म प्राचीनतम धर्म है।

चेन्नई में आवड़ी में प्रवेश के मौके पर अभिनंदन समारोह

संगत, सलाहकार और संस्कार सही होने से लाइफ बनती सक्सेसफुल : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'सही संगत' से ही हमारी वेल्यू बढ़ती है, एक के साथ जुड़ने पर शून्यों की तरह हम भी मूल्यवान बनते हैं। अतः अपना ग्रुप सर्कल अच्छे दोस्तों, व्यक्तियों के साथ होना चाहिए। उपरोक्त विचार एस एस जैन भवन, आवड़ी में चेन्नई महानगर प्रवेश पर समायोजित अभिनन्दन समारोह में आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने धर्मपरिषद् में कहें।

गुड़ मैन बनने, सक्सेसफुल लाइफ के लिए प्रेरक प्रेरणा देते हुए दूसरे बिन्दु पर साध्वीश्री ने आगे कहा कि कार्य की प्रगति, निर्देशन, डायरेक्शन के लिए हमें सही सलाहकार अपने पास रखने चाहिए। तीसरे एवं महत्वपूर्ण बिन्दु पर साध्वीश्री ने कहा कि हमारे संस्कार सम्यक् होने चाहिए। सम्यक् ज्ञान से ही सम्यक् चारित्र होता है। हमारा खानपान शुद्ध, सात्विक होना चाहिए। संस्कारवान होने से परिवार, समाज, देश सम्पन्न होता है।

आगामी माधावरम् चातुर्मासिक प्रवास के लिए चेन्नई महानगर प्रवेश पर साध्वीश्री ने प्रसन्नता प्रकट की, कि हम गुरुदेव के आज्ञानुसार आज चेन्नई शहर में सुमंगल प्रवेश कर रहे हैं। अपनी दीक्षा के 22 वर्ष पश्चात अपने संसारपक्षिय ननिहाल क्षेत्र आवड़ी आने पर साध्वीश्री मेरूप्रभा ने गीत के माध्यम से स्वागत किया। इससे पूर्व प्रातः शुभ वेला में आवड़ी के मुख्य मार्गों से होती हुई अहिंसा रैली के साथ साध्वीवृन्द ने एस एस जैन संघ भवन प्रवेश किया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

मंगलाचरण आवड़ी बोहरा परिवार की बहुओं-बेटियों ने प्रस्तुत किया। स्वागत स्वर आवड़ी संघ से मदनलाल बोहरा, तेरापंथ समाज की संघीय संस्थाओं से सभाध्यक्ष उगमराज सांड एवं माधावरम् तेरापंथ ट्रस्ट बोर्ड के प्रबन्धन्यासी श्री घीसूलाल बोहरा ने दिया।

जैन महासंघ के अध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया ने अपने विचारों के साथ आगामी 21 अप्रैल को जैन दादावाड़ी में समायोजित सामुहिक भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर सभी को उपस्थित होने का निमंत्रण दिया। साहुकारपेट तेरापंथ ट्रस्ट बोर्ड के प्रबन्धन्यासी विमल चिप्पड़, ट्रिप्लीकेन के प्रबन्धन्यासी सुरेश संचेती, साध्वीश्री के नातीजन कोप्पल जैन संघ के मंत्री पारसमल जीरावला इत्यादि ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन प्रवीण सुराणा ने किया।

ब्यावर यूथ एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां ब्यावर यूथ एसोसिएशन के तत्वावधान में एगमोर की एक होटल में आयोजित 14वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथियों अजीत गोठी, अजय नाहर एवं गजेन्द्र सेठिया उपस्थित थे।दीप प्रज्ज्वलन और नवकार मंत्र के साथ ही नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

पूर्व अध्यक्ष राकेश नाहर ने स्वागत भाषण में पिछले वर्ष सहयोग देने के लिए सभी का आभार जताया। पूर्व सचिव श्रेणिक बोथरा ने एसोसिएशन का लेखा जोखा वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया। मुख्यअतिथि अजीत गोठी ने नवनिर्वचित अध्यक्ष राकेश लालवानी को तिलक एवम् साफ़ा पहनाकर अध्यक्ष पद पर स्थापित किया। इसके बाद राकेश लालवानी ने नयी कार्यकारणी समिति के सदस्यों को तिलक लगाकर स्थापित किया। ब्यावर एसोसिएशन के अजय नाहर ने नई कार्यकारणी समिति में राकेश लालवानी के अलावा आकाश जैन को सचिव, सुमित भिड़कचा को उपाध्यक्ष , प्रशांत आँचल्या को सहसचिव, विकास कोठारी को कोषाध्यक्ष, कमलेश कोठारी को सलाहकार, अर्पित कोठारी को मनोरंजन, पवनेश खींचा को लांग टूर, एकता आँचल्या को लेडीज़ विंग, मनीष रांका को एचआरडी, विनोद गैलाडा को ग्रीटर, प्रवीण सपना सेठिया को सांस्कृतिक, श्रेणिक बोथरा को खेल ख़ुद , प्रियंका कवाड़िया को एडिटोरियल, सुमन कटारिया को अटेंडेंस, वरुण मुथा को जूनियर विंग के रूप में पद की शपथ दिलाई गई।

ब्यावर एसोसिएशन के बच्चों ने धमाकेदार नृत्य पेश किया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद ग्रुप गेम्स का कार्यक्रम आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन- एंटरटेनमेंट कमिटी के सदस्यों का स्पेशल डांस व विशेष योगदान रहा। राकेश ललवानी अध्यक्ष ने इस वर्ष 24-25 के लिए बियोंड बाउंड्री थीम रखी। पूरा कार्यक्रम चुनावी माहौल को ध्यान में रखते हुए सभी पॉलिटिकल व्यक्तियों के टिप्पणियों के साथ पेशकश की गई। कार्यक्रम में कमलेश सारिका परी कोठारी प्रवीण सपना सेठिया प्रिया बिडक्चिया सोनिका कोठारी विकास कोठारी युगका सहयोग रहा। अंत में सचिव आकाश जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आइए मतदान के लिए प्रतिबद्ध हों

चेन्नई। पुधिया थलाईमुराई समाचार चैनल ने चेन्नई निगम कार्यालय के सामने पोडुंगम्मा वोट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें सौ प्रतिशत मतदान पर जोर देते हुए शपथ ली गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रेटर चेन्नई निगम के आयुक्त डॉ. जे. राधाकृष्णन ने की। इस मेगा इवेंट में श्री चंद्रप्रभु जैन कॉलेज की छात्रा सुश्री ज्योतिका और सुश्री संध्या ने प्रतिनिधित्व किया और मतदान और इसके महत्व पर जागरूकता भाषण दिया और जागरूकता रैली का नेतृत्व किया।

माँ दधिमाती सेवा धाम में नवरात्रि संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माँ दधिमती सेवा धाम दाहिमा भवन में श्री मद्रास दाहिमा ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में नवरात्रि महोत्सव दाहिमा भवन (सोकारपेट) के प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से मनायी गई। विक्रम संवत् 2081 नूतन वर्ष के दिन घट स्थापना से महोत्सव का शुभ आरंभ हुआ। महोत्सव में प्रातः प्रतिदिन माँ दधिमती का दूधाभिषेक, आरती, अर्चना, संध्या आरती, एवं

शयन आरती के साथ संपन्न होता है। दाधिमती महिला मंडल द्वारा मंगल वार अष्टमी दिन माँ दाधीमती का मंगल पाठ का किया गया है।

'सप्तमी एक श्याम माँ दधिमती के नाम' भजन संध्या में राजस्थान के भीलवाड़ा से आई भजन गायिका दीपा दधीच नेअपनी मधुर वाणी से भजन माला की प्रस्तुति दी। नवरात्रि के शुभ अवसर पर माँ दाधीमती के बीज मंत्र की माला का भी एमपी3 और यूट्यूब पर विश्व में प्रथम बार पूरे दधीच समाज के लिए विमोचन किया गया। इस बीज मंत्र माला में स्वर हैदराबाद के संजय दाहिमा ने दिए। महाअष्टमी के दिन हवन और नवमी के दिन श्री रामलला के जन्माहोत्सव के साथ नवरात्रि महोत्सव संपन्न हुआ।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इंटरनेट के माध्यम से देश विदेश के श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस मौके न्यासी रघुनाथ हिसोडिया, वेंकटेश दाहिमा, लक्ष्मीनारायण काकड़ा, दामोदर सुंठवाल, अध्यक्ष विनोद व्यास, उपाध्यक्ष शिवपाल मिसर, सह मंत्री कमल तिवारी, कोषाध्यक्ष नवरत्न व्यास, मनमोहन काकड़ा, कमल जोशी, मुकेश पलोड, किशन तिवारी, तुषार तिवाड़ी, सम्पथ जोशी, सुरेन्द्र इटोडिया, गिरधारी सुंठवाल, राजीव त्रिवेदी, प्रदीप तिवारी, अर्जुन खठोड़ आदि उपस्थित थे। यह जानकारी सेवधाम के मंत्री नारायण दाहिमा ने जानकारी दी।

चैत्र नवरात्रि महोत्सव

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। अन्ना नगर स्थित उत्तर प्रदेश भवन में त्यागी बाबा गौ सेवा संस्थान मिथिलाधाम के तत्वधान में चैत्र नवरात्रि अष्टमी के शुभ अवसर पर 6 बजे से स्थानीय भजन मंडली के द्वारा मां दुर्गा के चरणों में भजनों के प्रस्तुति दी गई। अनेक भजन जिसमें 'तूने मुझे बुलाया शेरावालिए मैं आया मैं आया शेरावालिए....', 'मां सुन ले पुकार मैं आया तेरे द्वार' आदि भजनों के जरिए भजन गायकों ने समा बांधा। कन्या पूजन और कन्या भोज के बाद महाआरती की गई। नवरात्रि उत्सव 9 अप्रैल से 18 अप्रैल तक पूरे विधि विधान के साथ मनाया गया।

अखंड रामायण की पूर्णाहूति के साथ मनाया रामनवमी महोत्सव

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। यहां अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार की आर से रामनवमी महोत्सव के मौके पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ। 16 अप्रैल को सुबह से शुरु हुई रामायण पाठ की पूर्णाहूति 17 अप्रैल को सुबह हुई। उसके बाद गणेश भजन, गुरु भजन, मां सरस्वती भजन के बाद सामूहिक अमृतवाणी पाठ किया गया। 'मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे मेरे राम आए हैं' के साथ साहुकारपेट के सिंधी धर्मशाला में सभी भक्तों में रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। खिलौने और बधाई बांटी गई। मंडल के मुकुंद चांडक, दीनदयाल दाधीच, अशोक जोशी, अशोक गौड़, राजेश व्यास, कमल चांडक, बद्री सोनी, राजेंद्र भट्टर आदि उपस्थित थे। आज रामनवमी के दिन दशरथ बनने का सौभाग्य सुरेश डांगरा और भारती डांगरा परिवार को प्राप्त हुआ। यह जानकारी अरविंद कुमार दाधीच ने दी।

परवाह पीरियड केयर सेंटर का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रामनवमी के शुभ अवसर पर एलिफेंट गेट स्ट्रीट स्थित श्री ओटमल कपूरचंद छाजेड़ जैन हेल्थ सेंटर विश्व का प्रथम पीरियड केयर हेल्थ सेंटर 'परवाह' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ललित छाजेड़ और विशिष्ट अतिथि सनातन धर्म स्कूल की प्राचार्य एस लता ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेंटर का परंपरागत तरीके से शुभारंभ किया। इस केंद्र की परिकल्पना मासिक धर्म स्वास्थ्य विशेषज्ञ नीलम सारडा और सामाजिक कार्यकर्ता उषा बोहरा के द्वारा की गई है। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में ऐसे हेल्थ सेंटर की महत्ता पर बहुत बल दिया और कहा कि ये बच्चियों में विशेष कर एक

जागरुकता लाने में सहायक होगा, साथ ही महिलाओं को भी मासिक धर्म स्वास्थ्य संबंधी सारी जानकारी एक ही जगह उपलब्ध मिल सकेगी। प्राचार्य एस. लता ने अपने उद्बोधन में बताया कि उनके स्कूल की शिक्षिकाएं भी बच्चियों की इन समस्याओं से आमतौर पर रूबरू होती हैं और कई बार वे जवाब भी नहीं दे पाती है अतः ऐसे सेंटर में आकर छोटी बच्चियों अपनी जिज्ञासा शांत कर सकती हैं और अपने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर खुलकर बात कर सकती हैं। इस केंद्र में मुख्यतः मासिक धर्म स्वास्थ्य संबंधी और मासिक धर्म उत्पादों के रखरखाव एवं उनके प्रयोग से संबंधी जानकारी दी जाएगी। साथ ही समय-समय पर विभिन्न विशेषज्ञों तथा चिकित्सकों को आमंत्रित कर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों में शांतिलाल जैन, झुमरमल जैन,मुकेश डी शाह, ललित खांटेर, अजय नाहर, आकाश जैन, कांति लोया, रमिला जैन, भावना त्रिवेदी आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.